दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 165 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 14 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

बिपरजॉय तूफान ने बजाई खतरे की घंटी, रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली/एजेंसी।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय ने भारत के पश्चिमी तट पर अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मुंबई से लेकर केरल तक तट पर तेज हवाएं चल रही हैं। समुद्र के बीच से ऊंची लहरें उठकर किनारे से टकरा रही हैं, जिसको लेकर तटीय इलाकों में तैयारी तेज कर दी गई है। इन इलाकों में ठऊऋऋऔर रऊऋऋकी टीमें तैनात कर दी गई हैं। लैंडफॉल होने के बाद चक्रवात का असर सौराष्ट्र, कच्छ में 13,14 और 15 जून तक रहेगा। उत्तरी गुजरात में 15 और 16 जून को इसका असर रहेगा। वहीं पीएम मोदी ने बिपरजॉय तूफान से संबंधित हालात की समीक्षा के लिए सीनियर अधिकारियों के साथ मीटिंग की।

● बढ़ता जा रहा खतरा

अरब सागर में चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, खतरा भी बढ़ता ही जा रहा है। तूफान से सबसे ज्यादा खतरा गुजरात पर मंडरा रहा है क्योंकि बिपरजॉय की उत्तरी गुजरात के तटीय इलाकों से टकराएगा। हालांकि अभी तूफान के टकराने में 72 घंटे का वक्त है, लेकिन तूफान से पहले के हालात बड़े खतरे का इशारा कर रहे हैं, हालांकि हिंदुस्तान ने पिछले कुछ सालों में आए महातूफान को जिस तरह से हराया है, उसी तरह से बिपरजॉय को भी हराने की तैयारियां हैं।

● मौसम विभाग ने कही ये बात

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, चक्रवात बिपरजॉय धीरे-धीरे 5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की दिशा में आगे बढ़ रहा है और 14 जून के बाद इसकी दिशा बदलेगी। 15 जून की दोपहर तक 125-135 किमी/घंटा की रफ्तार से एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान सौराष्ट्र, कच्छ और पाकिस्तान के तट से टकराएगा। 14-15 जून को सौराष्ट्र, कच्छ में तेज बारिश होगी। गुजरात के वलसाड में बिपरजॉय तूफान की आहट सुनाई देने लगी है। समंदर की लहरें किनारे से टकरा रही हैं। ये लहरें भले ही अभी सामान्य नजर आ रही हैं, लेकिन अगले 2 से 3 दिन यही लहरें विकराल रूप ले सकती हैं। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को मौसम विभाग ने बेहद खतरनाक श्रेणी का तूफान करार दिया है।

जीतनराम मांझी के बेटे संतोष ने दिया नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा

पटना/एजेंसी।

बिहार में महागठबंधन में दरार पड़ती नजर आ रही है. नीतीश कुमार मंत्रिमंडल से संतोष मांझी ने की इस्तीफ़े की पेशकश कर एक नया मुद्दा उठा दिया है. संतोष मांझी पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के पुत्र हैं. संतोष मांझी ने इस इस्तीफ़े की पेशकश संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी को की है. बता दें कि विजय चौधरी, सरकार में किसी हिस्सेदारी को लेकर नीतीश कुमार द्वारा मांझी से बात करने के लिए अधिकृत हैं. संतोष मांझी नीतीश कुमार की सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग संभाल रहे थे. संतोष मांझी का कहना है कि उन लोगों पर जनता दल यूनाइटेड द्वारा विलय का प्रस्ताव दिया गया था, जो उन्हें नामंजूर हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफ़ा दिया है.

संतोष मांझी का कहना है कि पार्टी का जेडीयू में विलय हमारे कार्यकर्ताओं के सम्मान और उसूलों के खिलाफ होता है. हमने बड़ी मेनहत से अपनी पार्टी का निर्माण किया है और जनता की आवाज बने हुए हैं. अगर हम अपनी पार्टी जेडीयू में मिला देते, तो यह आवाज खत्म हो जाती है, इसलिए मैंने कैबिनेट से इस्तीफा देने का फैसला किया. संतोष मांझी का कहना है कि उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया हैं, लेकिन महागठबंधन के हिस्सा वे अभी तक हैं. निश्चित दौर पर विलय के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा था. हमारी पार्टी का अस्तित्व ख़तरे में था. हम लोगों के पास विलय का प्रस्ताव जनता दल यूनाइटेड के तरफ़ से आया था. नीतीश जी का सम्मान करते हैं.

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा के टाटा स्टील प्लांट में भाप हुई लीक, कई लोग झुलसे

नई दिल्ली/एजेंसी। ओडिशा के मीरामंडली में टाटा स्टील लिमिटेड के एक संयंत्र में एक औद्योगिक दुर्घटना ने कुछ श्रमिकों को ''प्रभावित'' किया है, कंपनी ने आज एक बयान में कहा, उन्हें अस्पताल ले जाया गया है. ओडिशा टीवी ने बताया कि 19 लोग घायल हुए, हालांकि टाटा स्टील ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है. टाटा स्टील ने बयान में कहा, ''ओडि–शा के ढेंकनाल में टाटा स्टील मेरामंडली वर्क्स में भाप के निकलने के कारण बीएफपीपी2 बिजली संयंत्र में दुर्घटना की सूचना देकर हमें दुख हुआ है.'' कंपनी ने कहा कि संयंत्र के परिसर की घेराबंदी कर दी गई है और आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय कर दिया गया है. टाटा स्टील ने कहा कि दुर्घटना मंगलवार दोपहर 1 बजे हुई और इसने साइट पर काम करने वाले कुछ लोगों को प्रभावित किया है. उन्हें तुरंत संयंत्र परिसर के अंदर व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर एहतियात के तौर पर आगे के इलाज के लिए कटक ले जाया गया है. कंपनी की एम्बुलेंस में डॉक्टर और पैरामेडिक्स के साथ कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
62,787.47+240.36 (0.38%)

निफ्टी
18,593.85+59.75 (0.32%)

जम्मू-कश्मीर में था केंद्र

दिल्ली और उत्तर भारत में भूकंप के झटके

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में मंगलावर दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। लगभग 10 सेकेंड तक धरती जोरदार तरीके से हिलती रही। भूकंप के बाद लोग अपने-अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल गए। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है। एटरउ के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जम्मू-कश्मीर के किश्वताड़ से दक्षिण पूर्व की ओर 30 किलोमीटर दूर था।

● स्कूलों में बच्चे डर गए

भूकंप के बाद जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में बच्चे डर गए हैं और बाजारों में दुकानें बंद करके लोग बाहर आ गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भूकंप के झटके बहुत जोरदार थे और काफी देर तक जमीन हिलती रही। श्रीनगर के एक स्थानीय नागिरक ने बताया कि पिछले हफ्ते भी भूकंप आया था लेकिन इस बार भूकंप के झटके पिछली बार से काफी तेज थे। नेशनल सेंटर फॉर सेस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप दोपहर 1 बजकर 33 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 6 किलोमीटर नीचे था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के अलावा पाकिस्तान और चीन के सीमावर्ती इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

● धरती पर क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं।

अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

जयपुर/एजेंसी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले सभी दलों की तरफ से तैयारी जारी है. इस बीच मंगलवार को बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने जयपुर में अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया. गौरतलब है कि पेपर लीक समेत कई मुद्दों पर बीजेपी गहलोत सरकार को लगातार घेर रही है. बीजेपी कार्यकर्ता सचिवालय का घेराव करने सड़कों पर उतरे तो इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, बाद में पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल भी किया. बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के कई वीडियो सामने आए हैं.

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

जेसीबी के माध्यम से बालू घाटों तक आने जाने वाले रास्तों को किया अवरुद्ध

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने पूरे जिले में 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदी से बालू खनन पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया है।उसी परिपेक्ष्य में एनजीटी व उपायुक्त के आदेश का सख्ती से पालन कराने हेतु मंगलवार को जामा थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न घाटों तक आने जाने वाले रास्ते को जेसीबी से अवरुद्ध कर दिया गया।

जिसमें मुख्य रूप से विजयपुर पुल के पास गांव बांदो में डोजरिंग कर रास्ता अवरुद्ध किया गया। मामले में जामा थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि एनजीटी के आदेश को लेकर जामा पुलिस प्रशासन सख्त है।कहा कि किसी भी सुरत में अवैध खनन होने नहीं दिया जायेगा और यदि किसी के द्वारा अवैध खनन किया जाता है तो आवशयक कार्रवाई करते हुए जिला खनन पदाधिकारी को प्रतिवेदन समर्पित किया जायेगा। बताया कि किसी भी सूरत में बालू का उत्खनन व परिवहन नहीं करने दिया जाएगा।

एसपी की अध्यक्षता में सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा की अध्यक्षता में जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को लंबे समय (5 वर्षों से) से लंबित पड़े निष्पादित कांडों को समीक्षा की एवं शेष बचे लंबित कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करने हेतु विशेष दिशा-निर्देश दिया।विधि एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी पुलिस पदाधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए। बैठक में महिला सुरक्षा से संबंधित आवशयक दिशा निर्देश दिए एवं सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र के स्कूल एवं कॉलेजों में सेमिनार आयोजित कर पोक्सो एक्ट,साइबर अपराध की रोकथाम से संबंधित जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका भी मौजूद रहे।उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों को वाहन दुर्घटना को रोकने हेतु विशेष दिशा निर्देश दिया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया साप्ताहिक समीक्षा बैठक

देवघर। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में किया गया साप्ताहिक समीक्षा बैठक। समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि मनरेगा में जो कार्य चल रहे हैं ।सभी रोजगार सेवकों को बताया गया कि बिरसा मुंडा बागवानी के तहत स्वीकृत सभी बागवानी की योजनाओं का पीट खुदाई का कार्य पूर्ण शीघ्रता शीघ्र कराएं ।उन्होंने पोटो हो खेल मैदान कोससमय पूर्ण कराने का भी निर्देश दिया। साथ ही मनरेगा सॉफ्ट में लंबित योजनाओं को पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त लंबित एमबी को एंट्री करने का निर्देश सभी कनी अभियंताओं को दिया गया। 2020- 21 तक के लंबित सभी योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही साथ मनरेगा के अतिरिक्त विभिन्न विभागों की भी समीक्षा की। मौके पर सुधांशु शेखर सिंह, शिवराज ,प्रवीण ,विनीत, सत्यम कुमार, राजेश कुमार ,अशोक यादव, रंजीत कुमार, परिमल कुमार, सुंदरम के अतिरिक्त सभी रोजगार सेवक एवं कर्मी उपस्थित थे।

आधुनिक युग में डिजिटल तकनीकीयों का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है: अन्नू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के कार्यालय में जी-20 जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत डिजिटल स्कीलस और लाइफ स्क्रील फॉर यूथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें युवाओं के लिए जीवन कौशल और डिजिटल कौशल को विस्तार से समझाया गया. इस कार्यक्रम में जन शिक्षा संस्थान विकास भारती दुमका के प्रभारी निदेशक अन्नू ने कहा कि आज के आधुनिक युग में डिजिटल तकनीकीयों का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है और इससे बच्चों और युवाओं के लिए डिजिटल कौशल का होना अनिवार्य होता जा रहा है यह मानव समुदाय के विकास और संघर्ष रहित जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित हो रहा है और इसके बारे में जानकारी होना बहुत ही आवशयक है. 21वीं सदी के लगभग सभी युवा किसी न किसी माध्यम से डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं चाहे एंड्राइड मोबाइल फोन का उपयोग हो, इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग हो या अन्य कोई भी डिजिटल कार्य जो वह खुद से कर रहे हैं लेकिन उन्हें पता नहीं है की उनके अंदर भी डिजिटल कौशल है. लेकिन सिर्फ डिजिटल कौशल का ज्ञान होना ही आवशयक नहीं है उनका सदुपयोग और दुरुपयोग का ज्ञान भी होना आवशयक है. डिजिटल कौशल का सही उपयोग युवाओं को रोजगार के मौके तलाशने एवं उनके नवाचारी और नवोन्मेषीपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने में सहायक साबित होता है. इसी कड़ी में प्रशिक्षण एवं युवा विकास विशेषज्ञ रामचंद्र सिंह ने कहा कि युवा आज की पीढ़ी का आधारभूत संसाधन है और उन्हें जीवन में सफलता की प्राप्ति के लिए मजबूत और सुविधाजनक जीवन कौशल्य का संचार करना अत्यंत आवशयक है आजकल नौकरी की प्राप्ति, अच्छी स्वास्थ्य और उच्च जीवनायाम के अलावा जीवन कौशल्यों का संचार करना भी युवाओं के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के एमआईएस श्रीराम कुशवाहा ने मोबाइल एवं कंप्यूटर प्रयोग, इंटरनेट, और साइबर सुरक्षा के के बारे में जानकारी दिया. डिजिटल तरीके से स्वरोजगार करने के बारे में जानकारी दिया जिसमें यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिंग, वेबसाइट के बारे में जानकारी दिया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के प्रभारी निदेशक अन्नू, प्रशिक्षण एवं युवा विकास विशेषज्ञ रामचंद्र सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह, अकाउंटेंट प्रदीप कुमार शर्मा, एमआईएस श्रीराम कुशवाहा, मोबिलाइजर आनंद कुमार एवं सविता किस्कू, राजकुमार हेंब्रम, एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के एक्सक्यूटिव मेंबर राजीव कुमार यादव, रोहित कुमार केशरी, प्रिया कुमारी, वर्षा कुमारी, वर्षा प्रमाणिक, विद्या कुमारी, पूजा देवी, अंजू देवी, खुशी कुमारी, करिश्मा कुमारी, नीतू कुमारी, स्वीटी कुमारी, रेखा देवी, मोना कुमारी राय, सीमा देवी, शिवानी कुमारी, सानिया कुमारी, बबीता कुमारी, गुड़िया कुमारी, मेघा कुमारी, भारती कुमारी, काजल कुमारी, जूही कुमारी के साथ सैकड़ो प्रशिक्षणार्थियों ने अहम भूमिका निभाई.

अनाज वितरण में अनियमितता पाए जाने पर जनवितरण विक्रेता बबीता का अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने कड़हरबील पंचायत के खिजुरिया स्थित बबीता देवी,जन वितरण प्रणाली विक्रेता अनुज्ञाप्ति संख्या - 14/2018 के दुकान का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान लगभग 12:50 बजे अपराहून में दुकान बंद पाया गया। सूचना देने पर जन वितरण प्रणाली विक्रेता बबीता देवी के पुत्र दुकान पर पहुंचे उनसे ।मई माह के वितरण के संबंध में पूछताछ की गई।पूछताछ में बबिता देवी के पुत्र ने बताया गया कि मई महीने का अनाज प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके कारण वितरण नहीं किया गया है।जाँच करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि माह दिसम्बर 2022 का कुल 3325 कि०ग्रा० अनाज का उठाव किया गया था, परन्तु किसी भी लाभुक को ऑनलाईन वितरण नहीं किया गया। वितरण पंजी के अवलोकन से पता चला कि माह दिसम्बर 2022 में कुल 84 लाभुकों को ही वितरण किया गया है,जिसमें किसी भी लाभुक का हस्ताक्षर नहीं है।किसी भी लाभुक को ऑनलाईन वितरण नहीं किया गया है। ऑनलाईन वितरण नहीं होने के कारण मई महीने का आवंटन नहीं दिया गया है। उपस्थित लाभुक जुलेखा बानो,चाँद बीबी और अन्य द्वारा बताया गया कि जन वितरण प्रणाली विक्रेता बबीता देवी के द्वारा वितरण कार्य सही तरीके से नहीं किया जाता है। कभी-कभी किसी महीने का अनाज भी नहीं दिया जाता है। स्पष्ट है कि जन वितरण प्रणाली विक्रेता बबीता देवी द्वारा वितरण का कार्य विभागीय निदेशानुसार नहीं किया जा रहा है । मौके पर बीडीओ सह एमओ ने जन वितरण प्रणाली दुकान का अनुज्ञाप्ति संख्या को रद्द करने की अनुशंसा जिला आपूर्ति पदाधिकारी दुमका से की है।

एमजी कॉलेज रानीश्वर में प्राचार्य की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।सोमवार के शाम को आयोजित बेवीनार में इण्टरपरेनियरशिप को लेकर चर्चा हुई।इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा एक उद्यमी वह व्यक्ति है जो एक या एक से अधिक व्यवसायों का निर्माण और/या निवेश करता है,अधिकांश जोखिमों को वहन करता है और अधिकांश पुरस्कारों का आनंद उठाता है।ओरगनाइजिंग सेकेट्री सह आई क्यू ए सी को-ऑर्डिनेटर प्रो आबिद रजा ने बताया कि व्यवसाय स्थापित करने की प्रक्रिया को ₹उद्यमिता₹ के रूप में जाना जाता है। उद्यमी को आमतौर पर एक नवप्रवर्तक,नए विचारों,वस्तुओं, सेवाओं और व्यवसाय/या प्रक्रियाओं के स्त्रोत के रूप में देखा जाता है।इस अवसर पर मुख्य वक्ता चीफ इन्नोवेशन ऑफिसर मिस्टर अनुरूप ने विस्तार से इस संबंध में अपने विचार प्रक ट किए। उन्होंने इण्टरपरेनियरशिप के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए इसे अच्छी तरह से स्पष्ट किया। उन्होंने उद्यमिता को एक नए व्यवसाय को डिजाइन करने,लॉन्च करने और चलाने की प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया है,जो अक्सर एक छोटे व्यवसाय के समान होता है,या ₹किसी भी जोखिम के साथ एक व्यावसायिक उद्यम को विकसित करने,व्यवस्थित करने और प्रबंधित करने की क्षमता और इच्छा₹ के रूप में लाभ कमाने के लिए। इन व्यवसायों को बनाने वाले लोगों को अक्सर ₹उद्यमी₹ कहा जाता है। जबकि उद्यमिता की परिभाषा आम तौर पर व्यवसायों को लॉन्च करने और चलाने पर केंद्रित होती है, स्टार्ट-अप लॉन्च करने में शामिल उच्च जोखिमों के कारण, स्टार्ट-अप व्यवसायों के एक महत्वपूर्ण अनुपात को ₹धन की कमी, खराब व्यावसायिक निर्णय, सरकार₹ के कारण बंद करना पड़ता है। नीतियां, एक आर्थिक संकट, बाजार की मांग में कमी, या इन सभी का संयोजन होती हैं।

अर्थशास्त्र के क्षेत्र में,उद्यमी शब्द का उपयोग एक ऐसी संस्था के लिए किया जाता है जो आविष्कारों या प्रौद्योगिकियों को उत्पादों और सेवाओं में अनुवाद करने की क्षमता रखती है।इस अर्थ में,उद्यमशीलता स्थापित फर्मों और नए व्यवसायों दोनों की ओर से गतिविधियों का वर्णन करती है।इस वेबीनार का संचालन प्रो माजिद नदीम ने किया। अंत में डा रूपम कुमारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन कर वेबीनार का समापन किया।इस वेबिनार मे तकनीकी संचालक आरिफ खान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस वेबिनार मे महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी साथ ही छात्र छात्रा ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रखंड प्रमुख की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड प्रमुख मारशिला बास्क ी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई ।प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू के संचालन में हुई बैठक में 15 वीं वित्त आयोग के तहत योजनाओं का चयन करने को लेकर चर्चा हुई।बैठक में अंचल अधिकारी अतुल रंजन भगत,प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी हरिसाधन दत्त,बाल विकास परियोजना के पर्यबेक्षिका , स्वच्छता बिभाग के समन्वयक,कनीय अभियंता,जे एस एल पी एस के प्रखंड समन्वयक मौजूद थे ।

11 वर्षों से शिकारीपाड़ा प्रखंड में पदस्थापित है जनसेवक आनंद कुमार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पश्चिम बंगाल के पूर्वी सीमा पर अवस्थित दुमका जिला के शिकारीपाड़ा प्रखंड में सरकार के नियम कायदे नहीं चलते,यहां सरकार के निर्धारित नियमों का नहीं बल्कि कृषि सेवा के एक जनसेवक की हुकूमत चल रही है।जनसेवक आनंद कुमार मंडल 11 वर्षों से शिकारीपाड़ा प्रखंड में पदस्थापित है एवं लगातार 4 वर्षों से अपने पैतृक विभाग का कोई कार्य ना कर पूर्ण रूप से गोदाम प्रबंधक के रूप में कार्यरत है।ज्ञात हो कि वर्ष 2021 में उसका स्थानांतरण दुमका जिले के रानीश्वर प्रखंड में हुआ था,लेकिन रानीश्वर प्रखंड में उन्होंने योगदान तो किया लेकिन कभी कार्य नहीं किया और पैरवी के बल पर जिला के आला अधिकारियों को अंधेरे में रखते हुए दोबारा अपना पदस्थापन शिकारीपाड़ा प्रखंड में करा लिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत उपलब्ध कराई गई सूचना का अवलोकन किया जाए तो जिला व प्रखंड प्रशासन के कार्यशैली का पता चल जाएगा कि कैसे और कि- स नियम के तहत उक्त जनसेवक लगातार 11 वर्षों से शिकारीपाड़ा में जमा हुआ है।प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा ने पत्रांक 1415/वि दिनांक 19 नवंबर 2022 द्वारा यह सूचना उपलब्ध कराई गई थी कि 4 अगस्त 2021 को जिला परिषद दुमका के स्थापना समिति की बैठक में जिले के 97 जन सेवकों का स्थानांतरण किया गया जिसमें क्रम संख्या 22 में आनंद कुमार मंडल का नाम भी शामिल है।उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद दुमका द्वारा स्थानांतरण पत्र भी जारी किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा ने ज्ञापांक 25/वि दिनांक दिनांक 7 जनवरी 2023 को सूचना उपलब्ध करायी कि उप विकास पदाधिकारी दुमका के आदेशानुसार ज्ञापांक 818/वि दिनांक 6 सितंबर 2021 को आनंद कुमार मंडल जनसेवक को रानीश्वर प्रखंड में योगदान के लिए विरमित कर दिया गया। वहीं मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी रानीश्वर ने पत्रांक 138 दिनांक 25 जनवरी 2023 द्वारा सूचना उपलब्ध करायी कि आनंद कुमार मंडल जनसेवक ने 7 सितंबर 2021 को पूर्वाहन में योगदान दिया उसके पश्चात इस कार्यालय में विरमित होने की तिथि 20 अक्टूबर 2021 तक निरंतर अनुपस्थित रहे।प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा ने सूचना उपलब्ध कराई कि उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद दुमका के ज्ञापांक 988/जि०प० दिनांक 4 अक्टूबर 2021 द्वारा आनंद कुमार मंडल जनसेवक को पुनः शिकारीपाड़ा प्रखंड में पदस्थापित किया गया था।प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा ने अपील वाद संख्या 45/2022 की सुनवाई में सूचना उपलब्ध करायी कि आनंद कुमार मंडल जनसेवक शिकारीपाड़ा में 6 नवंबर 2012 से प्रखंड में पदस्थापित है पदस्थापन के बाद सेजुलाई 2013 से अगस्त 2014 तक प्रखंड के चित्रा गढ़िया पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत रहे।फरवरी 2018 से अक्टूबर 2019 तक प्रखंड के शिवताला पंचायत में सचिव के पद पर कार्यरत रहे, तत्पश्चात 18 नवंबर 2019 से अब तक शिकारीपाड़ा गोदाम प्रबंधक के पद पर कार्यरत है।इन सारे तथ्यों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जनसेवक का दबदबा कायम है उसकी गलतियों एवं खामियों को बचाने के लिए पूरा प्रखंड प्रशासन लगा हुआ है और जिला के आला अधिकारियों सहित उप विकास आयुक्त को अंधेरे में रखकर कार्य कर रहा है। 11 वर्षों से लगातार एक ही प्रखंड में पदस्थापित रहकर वह स्थानीय राजनीति में पूर्ण रूप से भाग ले रहा है और प्रखंड गोदाम को अपने मनोनुकूल चला रहा है।झारखंड सरकार के दिशा निर्देश और नियमों की उक्त जनसेवक को कोई परवाह नहीं है।बहरहाल मामले में जानकारों का कहना है कि उक्त जनसेवक का 11 वर्षों से शिकारीपाड़ा में कार्यरत रहना जिला प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा करता है,आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी है कि कृषि कार्य को छोड़कर उक्त जनसेवक को शिकारीपाड़ा में ही पदस्थापित कर दिया गया है।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

डीडीसी ने कि विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनकी अद्यतन स्थिति की समीक्षा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनकी अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने बताया की माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के सभी जिलों में चल रहे विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनकी अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक दिनांक 16 जून 2023 को प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार के द्वितीय तल में आहूत की गई है। बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग समेत जल संसाधन एवं आवास, ग्रामीण कार्य, भवन, पर्यटन, कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग अंतर्गत कई योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा संबंधित सभी विभाग के पदाधिकारियों योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कई दिशा निर्देश दिए गए। मौके पर सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डीडीसी ने समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- ब्याज माफी, 100 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को लेकर करेगा जागरूक

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर द्वारा उर्जा विभाग के जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर ने कहा कि सरकार द्वारा 100 यूनिट मुक्त बिजली की योजना हो या बिजली बिल ब्याज माफी की योजना इन सभी को लेकर विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया जाएगा। ब्याज माफी योजना माह जून 2023 तक कार्यान्वित होगा। ब्याज माफी योजना का लाभ सभी घरेलू उपभोक्ता जिनका विद्युत भार 5 किलोवाट से कम है ले सकेंगे। ब्याज माफी योजना का लाभ कृषक भी ले सकेगें। इस योजना के तहत एक मुश्त या पांच किस्तो में योजना अवधि तक भुगतान कर इस योजना का लाभ ले सकते है। मौके पर विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता सत्यनारायण पातर, ऊर्जा विभाग के कर्मी समेत अन्य उपस्थित थे।

एंडवेर अकादमी में 21 से 30 जून तक होगी नामांकन, 18 जून को धनुषपुज विद्यालय में आयोजित होगी प्रवेश परीक्षा

- छात्रों को कोचिंग के साथ-साथ निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा पठन सामग्री
- पढ़ाई के लिए अब आर्थिक परेशानी नहीं बनेगी बाधकः उपायुक्त

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। एंडवेर अकादमी में नामांकन के लिए 21 से 30 जून तक तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन से पूर्व छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए छात्र को 16 जून तक आवेदन फॉर्म डीएसई कार्यालय में जमा कराना होगा। आवेदन फॉर्म सभी प्रखंड के बीआरसी कार्यालय में उपलब्ध करा दिया गया है। प्रवेश परीक्षा धनुषपुजा मध्य विद्यालय में आयोजित की गई है। परीक्षा के दो दिन बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। जिसके बाद नामांकन की शुरू होगी।विदित हो कि उपायुक्त श्री वरुण रंजन के प्रयास से सीएसआर के तहत बीजीआर माइनिंग के सौजन्य से एंडवेर अकादमी द्वारा प्रतियोगी परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है। जिसमें जिले के 400 छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि पढ़ाई के लिए अब आर्थिक परेशानी बाधा नहीं बनेगी। जिले के होनहार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी निःशुल्क करने का निर्णय लिया गया है। सभी छात्रों को पठन सामग्री भी बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी ना हो। जिले में कई बच्चे है, जो पढ़ाई में काफी अच्छे है, पर पारिवारिक परेशानी के कारण तैयारी के लिए बाहर नहीं जा पा रहे है। वैसे बच्चों को ध्यान में रखते हुए इस कोचिंग संस्थान की शुरआत की जा रहीं है। उन्होंने जिले के छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन जमा करने की अपील की है।

अज्ञात वाहन के ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

लिट्टीपाड़ा(पाकुड)ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। थाना क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा हिरणपुर मुख्य सड़क नवाडीह विद्यालय के समीप सोमवार देर रात को अज्ञात वाहन के ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार छोटा सरसा निवासी मुन्शी सौरेन(25 वर्ष)तथा बड़ा सरसा के धाबड़े किस्कू (45 वर्ष) लिट्टीपाड़ा सप्ताहिक हटिया से बाइक में सवार होकर घर जा रहा था कि नवाडिह विद्यालय के समीप किसी अज्ञात ट्रक ने ठोकर मार दिया जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनो व्यक्ति सड़क किनारे जा गिरा और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गया. ग्रामीणों कि मदद से दोनो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लिट्टीपाड़ा पहुंचाया. जहाँ चिकित्सक द्वारा प्राथमिक ईलाज कर घर भेजा गया. वही ठोकर मारने वाले ट्रंक का पता नही चला है.

कुष्ठ रोग खोज अभियान कार्यक्रम पर समीक्षा बैठक, गांवों में रोगियों की होगी पहचान

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यालय के सभागार में कुष्ठ रोग खोज अभियान कार्यक्रम 2023 को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड चिकित्सा प्रभारी भारत भूषण भगत ने की। मौके पर जिला कुष्ठ कार्यालय से डॉ के आर कृष्णा प्रशिक्षक उपस्थित थे। बैठक में कुष्ठ रोगी खोजो अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य व प्रखंड कर्मियों को जानकारी दी गई। डॉ के आर कृष्णा ने बताया कि जिले में 15 से 28 जून तक कुष्ठ रोग खोजी अभियान चलाया जाएगा। जिसमें सहिया एवं सहिया साथी डोर-टू-डोर जाकर घर के सभी सदस्यों का संपूर्ण शारीरिक जांच करेंगे। अगर किन्ही में कुष्ठ के लक्षण पाए जाते है, तो उन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से निशुल्क उपचार किया जाएगा।

भारत भूषण भगत ने कहा कि हमें कुष्ठ रोगियों को घृणा से नहीं देखना चाहिए। बीमार व्यक्ति को दुलार और संवेदना की जरूरत ज्यादा होती है। उन्होंने बताया सभी आशा कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में रहने वाले ऐसे व्यक्ति जिनके शरीर में दाग हों और वह उसमें सूनेपन की समस्या से जूझ रहे हों, तो उनकी पहचान कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इसकी जानकारी देंगी। उसके बाद उनकी जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि उनकी बिमारी की वजह क्या है। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है लेकिन, मरीज को चाहिए कि वह समय रहते डॉक्टरों को इसकी जानकारी दें। बैठक में प्रभारी भरत भूषण भगत ने अभियान के सफल संचालन को लेकर कई अहम सुझाव भी दिए। बैठक में सभी सुपर भाइजर सहित अन्य कई प्रखंड व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

डीडीसी ने आवास एवं मनरेगा योजना से संबंधित योजनाओं का एरिया ऑफिसर ऐप के माध्यम से किया स्थल निरीक्षण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर ने मंगलवार को पाकुड़ प्रखंड की शहरकोल एवं सोनाजोड़ी पंचायत में एरिया आफसर एप के माध्यम से मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना, तालाब एवं बिरसा सिंचाई कूप निर्माण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का स्थल निरीक्षण किया। इस क्रम में उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी मनरेगा योजनाओं को चालू करने से पहले कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड लगाएं। स्थल में मजदूरों की सुविधा के लिए शेड, मेडिकल किट, पीने की पानी अवशय रखेंगे। साथ ही सहायक अभियंता को कार्य चालू होने से पूर्व स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। ग्राम रोजगार सेवक को नियमित एनएमएमएस के माध्यम से मजदूरों की उपस्थिति कैप्चर करने का निर्देश दिया गया। पुरानी योजनाओं की जिओ टैगिंग को पूर्ण करने का निर्देश दिया। सहायक अभियंता को एरिया आफिसर एप के माध्यम से योजनाओं की जांच कर लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना की निरीक्षण के दौरान आवास को पूर्ण करने के पश्चात लोगों के साथ दीवाल पर सूचना अंकित करने का निर्देश दिया गया। अधूरे आवास को भी पूर्ण करने का निर्देश डीडीसी ने दिया। मौके पर परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, सहायक अभियंता शयामदत शुक्ला, संबंधित पंचायत के मुखिया समेत अन्य उपस्थित थे।

162 ईलाजरत टीबी मरीजों के बीच किया गया पोषण कीट का वितरण

- उपायुक्त ने कहा जल्द पाकुड़ जिला होगा टीबी मुक्त

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले के अमड़ापाड़ा व पाकुड़ प्रखंड के 162 ईलाजरत टीबी मरीजों के बीच पोषण कीट जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ ऐहतेशाम उद्दीन द्वारा किया गया है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी ने बताया कि जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा 12 पंचायतों के लगभग 100 गांव को चिन्हित कर पिरामल स्वास्थ्य (एनजीओ) के सहयोग के कार्ययोजना बनाई जा रही है. टीबी मुक्त भारत अभियान के माध्यम से समाजिक समन्वय स्थापित करते हुए टीबी मरीजों को गोद लिया जा रहा है. साथ ही उन्हें छह माह का पोषण सहायता भी उपलब्ध कराया जा रहा है. अबतक पाकुड़ में 215 निक्षय मित्र बनाए गए है. उनके माध्यम से 1944 पोषण कीट का वितरण टीबी मरीजों के बीच किया गया है. 1013 टीबी मरीज ईलाजरत है, जिसमें से 778 टीबी मरीजों को पोषण कीट दिया जा चुका है। एवं 235 को पोषण कीट दिये जाने हेतू अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त वरूण रंजन ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त बनाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही पाकुड़ जिला टीबी मुक्त होगा।

कुमकुम के व्यक्तित्व कृतित्व पर अधारित पुस्तक दस सप्तकी का लोकार्पण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन / तुलसी भवन एवं कलम की सुगंध, झारखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी भवन संस्थान के प्रयाग कक्ष में नगर की सुप्रसिद्ध कवयित्री एवं कलम की सुगंध, झारखंड की अध्यक्ष श्रीमती आरती श्रीवास्तव 'विपुला' द्वारा सम्पादित नगर की लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार श्रीमती प्रतिभा प्रसाद ' कुमकुम' के व्यक्तित्व - कृतित्व पर केन्द्रित पुस्तक ₹ दस सप्तकी ₹ का लोकार्पण किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डॉ० रागिनी भूषण तथा विशिष्ट अतिथि मंजू ठाकुर मंचासीन रहीं । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष श्री राम नन्दन प्रसाद तथा संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री यमुना तिवारी 'व्यथित' ने की । जबकि स्वागत वक्तव्य ब्रजेन्द्रनाथ मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन उपासना सिन्हा द्वारा किया गया । मौके पर साहित्य समिति (तुलसी भवन), बहुभाषीय साहित्यिक संस्था 'सहयोग' के अलावा शहर के कई संस्थाओं ने प्रतिभा प्रसाद को सम्मानित किया एवं उनके प्रतिनिधि सदस्यों ने मंच से अपनी शुभकामनायें प्रस्तुत की । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित नगर के सुप्रसिद्ध हास्य कवि श्री दीपक वर्मा ने लोकार्पित पुस्तक पर विस्तार से समीक्षात्मक विचार प्रस्तुत किया । दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई । सरस्वती वंदना श्रीमती वीणा पाण्डेय 'भारती' ने प्रस्तुत किया । इस अवसर पर मुख्य रुप से डॉ. अजय कुमार ओझा, डॉ.आशा गुप्ता, सविता सिंह मीरा, वीणा कुमारी नंदिनी, किरण कुमारी वर्तनी, विजय नारायण सिंह 'बेरुका', पुनम शर्मा 'स्नेहिल', भंजदेव देवेन्द्र कुमार व्यथित, बलविन्दर सिंह , ब्रजेन्द्रनाथ मिश्र, डॉ० उदय प्रताप हयात, एस. एन. पाण्डेय, राजदेव सिन्हा, नीलम पेड़ीवाल, पद्मा प्रसाद, डॉ,० रजनी रंजन, डॉ० जूही समर्पिता, विद्या तिवारी, ज्योत्सना अस्थाना, छाया प्रसाद,चंदा कुमारी, उपासना सिन्हा, वीणा पाण्डेय 'भारती', निवेदिता श्रीवास्तव, अनिता निधि, शयामल सुमन सहित अनेक साहित्यकारों की उपस्थित रही ।

सिख धार्मिक भावनाओं के सम्मान में की गई अनुशंसा स्वागत योग्यः भगवान सिंह

- कड़ा व कृपाण धारण किए सिख छात्रों को प्रवेश परीक्षा में अनुमति की अनुशंसा

जमशेदपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने विश्वविद्यालिय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सियूईटी) के नाम एक अनुशंसा पत्र लिख कर सिख छात्र-छात्राओं को कड़ा व कृपाण धारण कर प्रवेश परीक्षा में शामिल होने देने की सिफारिश की है। इस अनुशंसा पत्र का जमशेदपुर के सिख छात्र-छात्राओं में हर्ष का माहौल है। वहीं मंगलवार को सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (सीजीपीसी) के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने इसे स्वागत योग्य करार दिया है। भगवान सिंह का कहना है कि प्रवेश परीक्षा के लिए की गई यह सिफारिश सिख धार्मिक भावनाओं का सम्मान है और इससे सिख छात्रों का मनोबल और बढ़ेगा। यह सिख धर्म का मान बढ़ाने वाली अनुशंसा है। उन्होंने कहा सीजीपीसी सहित पूरे जमशेदपुर का सिख समुदाय इस अनुशंसा का इस्तकबाल करता है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा के महानिदेशक के नाम के पत्र लिखा है जिसमे जिक्र किया गया है की प्रवेश परीक्षा के दौरान सिख छात्रों को कड़ा और कृपाण के साथ शामिल होने की अनुमानित दी जाये। इस पत्र में भारतीय संविधान के अनुच्छेद २५ का भी जिक्र किया गया है जिसके अनुसार सिख अपनी धार्मिक भावनाओं के तहत कड़ा और कृपाण धारण कर सकता है क्योंकि यह सिख धर्म का अभिन्न भाग है ।

डीडीसी की अध्यक्षता में चयन समिति की हुई बैठक, जिला चयन समिति ने 535 रिक्त के विरुद्ध 531 बालिकाओं के नामांकन की मंजूरी दी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में नामांकन को लेकर मंगलवार को उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक हुई। इसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वर्गवार एवं कोटिवार रिक्ति के विरूद्ध बालिकाओं के नामांकन के लिए प्रखंड स्तर से प्राप्त विद्यार्थियों की सूची की जानकारी दी गई। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने प्राप्त सूची पर चर्चा करते हुए बालिकाओं के नामांकन के संबंध में अधिकारियों को कई आवशयक दिशा निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले के प्रत्येक विद्यालय का संचालन सही तरीके से करने, बालिकाओं के ड्रेस, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई समेत उनके मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने समेत कई निर्देश दिए।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि शयाम यादव, जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज, कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद, बीईईओ समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मकान का छत गिरा ,महिला घायल

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर के रखरखाव की हो रही अनदेखी की एक बार फिर पोल खोलने वाली खबर सामने आई है।
सेक्टर 12 बी आवास संख्या 3037 के रसोई की छत घर की महिला के सिर पर गिरने से महिला को गम्भीर चोटे आई है। घयाल महिला को इलाज़ के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल पहुँचाया गया है जहाँ इलाजरत है। इस आवास की गृहस्वामी बोकारो इस्पात में नॉकरी करते है। गृहस्वामी मोहम्मद गफ्फार ने बताया कि क्वाटर की जर्जर हालत की शिकायत मेंटेनेंस विभाग में की गई थी कई बार शिकायत दर्ज कराने के बाद भी विभाग इस ओर ध्यान नही दिया जिसका ही नतीजा है आज़ घर की महिला ज़िन्दगी और मौत के बीच झूल रही है। इस्पात नगर के मकानों की हालत उचित रखरखाव के अभाव में बिल्कुल जर्जर हो चुकी है, रखरखाव के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है यही कारण है कि विभिन्न सेक्टरों से इस तरह की दुर्घटना की खबरे लगातार आती रहती है। जिनपर इन आवासों के रखरखाव का ज़िम्मा है वो आराम से ए सी कमरों में बैठ अपनी ड्यूटी बजाएंगे तो ऐसी घटनाओं का होना लाजमी है। फील्ड स्टाफ भी अब गिनती के ही बचे है बोकारो स्टील लंबे समय से कर्मियों कमी का सामना कर रहा है। प्लांट में स्टील उत्पादन से लेकर नगर के रखरखाव साफ सफाई सब कुछ ठेकेदारों के जिम्मे है।

सफाइ कार्य हेतु एक्शन प्लान तैयार करने का निदेश

- **समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई**

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना पदाधिकारी की नियुक्ति, प्रमुख जलशायों के समीप दीवाल लेखन एवं स्थायी होर्डिंग बोर्ड अधिष्ठापन, अर्थ गंगा सहित जैविक खेती, टूरिज्म प्रमोशन, आर्द्रभूमि विकास एवं वर्षा जल संचयन पर विचार विमर्श किया गया।उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बोकारो जिला अंतर्गत नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है। साथ ही सफाई के लिए रोस्टर तैयार कर रोस्टर अनुरूप सफाई करने का निदेश दिया गया जिसका समय समय पर जिला एवं अनुमंडल स्तर की टीम द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। एक्शन प्लान तैयार करने का निदेश उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने गंगा समिति का कार्य एवं इनके सदस्यों की भूमिका को नियोजित तरीके से तैयार करने का निदेश दिया। इसके लिए एक्शन प्लान तैयार करने को भी कहा गया। साथ ही सफाई हेतु टीम तैयार करने के साथ-साथ कराये जा रहे कार्यों का डॉक्यूमेंटेशन करने को भी कहा गया। बैठक के दौरान प्रभारी पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहित अन्य उपस्थित थे।

धनबाद के आईएसएम आईआईटी के सहायक प्रोफेसर के स्विमिंग पूल में डूबने से मौत

धनबाद। धनबाद के आईआईटी-आईएसएम के सहायक प्रो यशवंत कुमार गजाला (36) की स्विमिंग पूल में डूबने से मंगलवार की मौत हो गई। वे बालासोर (ओडिशा) के रहने वाले थे। बताया जाता है कि सुबह करीब साढ़े सात बजे रोजाना की तरह अन्य लोगों के साथ वह भी परिसर के स्विमिंग पुल गए। स्नान करने के दौरान तैरने के क्रम में वह गहरे पानी में चले गए। उसके बाद हो हल्ला होने लगी। लोग जब तक कुछ समझे पाते तब तक उनकी मौत हो गई थी। घटना के वक्त एक दर्जन से अधिक लोग स्विमिंग पूल में तैर रहे थे। उनके परिवार के सदस्य हावड़ा (बंगाल) में रहते हैं। घटना के बाद संस्थान परिसर में अफरा-तफरी मच गई। लोग परेशान हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। स्विमिंग पूल में डूबे प्रोफेसर को एसएनएमएमसीएच के मोर्चरी में रखा गया है। परिवार के सदस्यों के आने के बाद उनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

अनियमित बिजली कटौती और बिजली की कुव्यवस्था को लेकर विधायक मनीष जायसवाल करेंगे जीएम कार्यलय का धरना-प्रदर्शन व घेराव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हजारीबाग । हजारीबाग एक तरफ जहां प्रचण्ड गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है वहीं दूसरी तरफ़ संपूर्ण झारखंड के साथ हजारीबाग में ध्वस्त विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और बिजली की अन्य समस्याओं से जनता ऊब रही है। समाज के हर वर्ग के लोग बिजली की कुव्यवस्था का दंश झेलने को मजबूर हो रहे हैं। हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की दयनीय स्थिति और बिजली की अन्य समस्याओं के खिलाफ हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने बिजली विभाग का प्रचंड विरोध-प्रदर्शन व घेराव का ऐलान किया है। इस संबंध में विधायक मनीष जयसवाल ने बताया कि ग्रीष्म काल में भी विद्युत आपूर्ति 24 घंटे में मात्र 10- 12 घंटे दी जा रही है, ट्रांसफार्मर जलने के पश्चात पुनः ट्रांसफार्मर मिलने में महीनों लग रहे हैं, विगत कई वर्षों पूर्व लगे जर्जर हो चुके तारों को बदलने के कार्य में लगातार अनदेखी हो रही है, शहर के विभिन्न इलाकों में बस रहे नए मोहल्लों को विद्युत आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है।कई स्थानों में बिजली बिल मासिक रूप से नहीं मिलने पर उपभोक्ताओं को एकमुश्त जमा करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता

है, कई गांवों में एक ही व्यक्ति के नाम पर दो बिजली बिल निर्गत कर लोगों का भयादोहन एवं दो बिलों की वसूली की जा रही है, बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी और बाबुओं की लालफीताशाही से जनता त्रस्त है।
बिजली विभाग की उपरोक्त अनेकों समस्याओं को लेकर विधायक मनीष जायसवाल ने आंदोलन का रुख अख्तियार किया है और 14 जून 2023 (बुधवार), समय-शाम 3:00 बजे से जुलू पार्क, हजारीबाग स्थित महाप्रबंधन एवं अधीक्षण अभियंता कार्यालय में बिजली विभाग का प्रचंड विरोध- प्रदर्शन व घेराव करने का घोषणा किया है। इससे पहले भी जब जब बिजली की स्थिति बेहद खराब हुई तब तक विधायक मनीष जायसवाल जनहित में सक्रियता से आगे आए और सड़क से सदन तक बिजली विभाग के खिलाफ आंदोलन किया। साल 2021 दिसंबर महीने में विधायक मनीष जायसवाल का हल्ला बोल कार्यक्रम में विशाल जनसैलाब उमड़ा था और इस आंदोलन के बाद बिजली में सुधार भी हुई थी ।
विधायक मनीष जायसवाल ने हजारीबाग वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस धरना- प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएं एवं अपना विरोध- अवशय जाहिर करें।

बोकारो हवाई अड्डा को लेकर राजनीति तेज, अब हो सकती है उड़ान में देरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो । बोकारो हवाई अड्डे को लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है, हवाई अड्डे के चालू होने में हो रहे लेट लतीफी का ठीकरा जहा बोकारो के भाजपा विधायक ने राज्य सरकार पर फोड़ा है वही राज्य सरकार की मंत्री आलमगीर आलम ने लाइसेंस निर्गत अभी तक नही होने की बात पर केंद्र की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। भाजपा विधायक ने कहा की झारखंड सरकार अभी जागी है और सुबह का भूला अगर शाम को घर आ जाय तो उसे भुला नहीं कहते।
वही मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि इतने दिनों के बाद हमें आज चिट्ठी मिली है जिसमें एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की बात कही गई है जिसे बहुत जल्द राज्य सरकार पूरा करने का काम करेगी। मंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या लाइसेंस को लेकर है जिसे बीएसएल और सेल के जरिए लाइसेंस मिलना है और अड़चन और सबसे बड़ा बाधा यही है।
बताते चलें कि बोकारो में हवाई अड्डे की उड़ान को लेकर वर्षों से कवायद चल रही है और हवाई अड्डे का काम लगभग पूरा हो चुका है जहां रनवे सहित टर्मिनल और चार दिवारी का काम लगभग पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि बोकारो हवाई अड्डे को लाइसेंस देने के लिए बीएसएल को एप्लाई करना है ताकि उड़ान जल्द संभव हो सके। एप्लाई के बाद लाइसेंस देने के लिए डीजीसीए को निरीक्षण करना है। वही एयरपोर्ट अथॉरिटी के लगभग आधा दर्जन अधिकारी की टीम बुधवार को बोकारो पहुंच रही है।
बोकारो के सर्किट हाउस में मंत्री, बोकारो विधायक, बीएसएल और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई लेकिन राजनीतिक बयान बाजी एक बार फिर देखने को मिल रही है ऐसे में इस हवाई अड्डे के चालू होने में और कितना समय लगेगा यह तो समय बताएगा लेकिन हवाई अड्डे जल्द से जल्द चालू हो यह बोकारो के लोगों का सपना है ताकि इस हवाई अड्डे के जरिए बोकारो शहर को देश के विभिन्न कोने से जोड़ा जा सके और यहां की आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ स्टील सिटी स्टील हब के रूप में विकसित हो सके।
बोकारो हवाई अड्डे उड़ान भरने के लिए क्या-क्या है बाधाएं हम आपको बताते हैं। सबसे बड़ी बाधा लाइसेंस को लेकर के हैं जिसे स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी बीएसएल को लाइसेंस के लिए अप्लाई करना है। एप्लाई के बाद ही लाइसेंस निर्गत होगा जहां बोकारो हवाई अड्डे को लाइसेंस देने से पहले डीजीसीए का निरीक्षण होगा। निरीक्षण के दौरान तमाम सुरक्षा पहलुओं पर जांच की जाएगी जिसमें आसपास के बूचड़खाने सहित एंक्रोचमेंट और पेड़ पौधों की ऊंचाई के साथ-साथ अन्य सुरक्षा मानकों पर जांच की जानी है जिसके बाद संतुष्ट होने के उपरांत लाइसेंस निर्गत किया जाना है। राज्य सरकार को एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड सहित सुरक्षा के लिए इंतजाम करना है।

महिला कर्मचारियों के लिए कंपनी की नीतियों पर प्रस्तुति

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो । ई.डी. वर्क्स सेमिनार हॉल में, 13 जून 2023 को सुश्री सुष्मिता सोरेन, प्रबंधक (कार्मिक-संकार्य) ने मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, पितृत्व अवकाश और यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) अधिनियम में नवीनतम विकास पर एक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति की अध्यक्षता श्रीमती नीना सिंह, महाप्रबंधक- प्रभारी (कार्मिक-संकार्य) ने की।
सुश्री सोरेन ने कामकाजी माताओं के लिए मातृत्व अवकाश और बाल देखभाल अवकाश के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये अवकाश केवल सुविधा का विषय नहीं हैं, बल्कि मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पितृत्व अवकाश को एक आदर्श बनाने की आवश्यकता के बारे में भी बात की, क्योंकि यह लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है और पिता को अपने नवजात शिशुओं के साथ बंधन बनाने में मदद करता है। सुश्री सोरेन

ने पीओएसएच अधिनियम पर भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकना है। उन्होंने अधिनियम के प्रावधानों के बारे में बताया और कंपनी को इसे प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समावेशी कार्य वातावरण बनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रस्तुति के दौरान नीना सिंह सोरेन ने सेल में महिला सशक्तिकरण को सक्षम बनाने के लिए एक नई नीतिगत पहल की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य कार्यस्थल में महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करना और एक सहायक कार्य वातावरण बनाना है जो उनकी वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।
नीना सिंह ने अपने समापन भाषण में सोरेन की उनकी अंतर्दृष्टिपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रशंसा की और दर्शकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने नई नीतिगत पहल के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया और लिंग-समावेशी कार्यस्थल बनाने के महत्व पर जोर दिया।
प्रस्तुति में संकार्य प्रभाग समूह और कार्मिक विभाग की कुल 57 महिला अधिकारियों ने भाग लिया। कार्मिक विभाग की वरिष्ठ महिला अधिकारियों ने प्रस्तुति में उपस्थित सभी महिला अधिकारीयों के प्रश्नों का उत्तर दिया और मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, पितृत्व अवकाश और पॉश अधिनियम में नवीनतम विकास की बेहतर समझ के साथ प्रस्तुति को सम्पन किया।

मलेरिया नियंत्रण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न, दिये गये कई निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हज़ारीबाग। मलेरिया नियंत्रण एवं बचाव को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में टास्क फोर्स के सचिव सिविल सर्जन डॉ0 सरयू प्रसाद एवं आमंत्रित सदस्य जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी सुनिल कुमार, जिला भीबीडी पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी उपेन्द्र नारायण, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ न्यूटन तिर्की, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव सहित विभिन्न तकनिकी विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि शामिल थे।
मौके पर सचिव टास्क फोर्स ने कहा कि प्रत्येक वर्ष जून माह में मलेरिया रोधी माह के रूप में मनाया जाता है। जून माह में जलजामव होने से नये मच्छरों का उत्पन्न होने से मलेरिया का खतरा सर्वाधिक रहता है। अतः मलेरिया बीमारी से बचाव हेतु जानजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना आवशयक है। उन्होंने कहा कि मलेरिया रोधी माह मनाये जाने का उद्देश्य अर्न्तविभागीय विविध गतिविधियां संचालित कर जिले में मलेरिया से बचाव तथा नियंत्रण संबंधी विभिन्न उपायों एवं तरीकों से जन समुदाय को अवगत कराने ताकि बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनके

व्यवहार में परिवर्तन किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मलेरिया से बचाव एवं नियंत्रण हेतु विविध गतिविधियों का संचालन ससमय करें।
बैठक में विष्यांगत चर्चा करते हुए विभिन्न विभागों के वरीष्ठ अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये। मौके पर पथ निर्माण विभाग को विनिर्माण कार्यों के पश्चात अनावशयक रूप से बने गडढो को बरसात से पूर्व भरने का निर्देश दिया गया है। वहीं जिला समाल कल्याण पदाधिकारी को अपने अधिनस्थ सीडीपीओ,अंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के माध्यम से जानजागरूकता क्रियाकलाप करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में पशुपालन विभाग, सहाकारिता विभाग, जनसम्पर्क विभाग को प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से, शिक्षा विभाग को शिक्षकों/कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर जानजागरूगत के लिए कहा गया। साथ ही कृषि विभाग को कृषक मित्रों के सहायोग से, जिला पंचायत राज पदाधिकारी को अपने अधिनस्थ जनप्रतिनिधियों/पीआरई सदस्य के माध्यम से आम लोगों बीच यह संदेश पहंचायें कि अनावशयक रूप से जलजामव नहीं होने दें तकि मच्छरों के नए प्रजनन स्थलों पर रोक लगाया जा सके। बैठक में नगर निगम को शहरी क्षेत्र में जल निकास एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने, आवशयकतानुसार फॉगिंग करने सहित नगरवासियों के बीच मलेरिया से बचाव हेतु जनजागरूकता लाने के लिए आवशयक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। मौके पर मौजूद विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं से अपेक्षा की गई कि वे मलेरिया रोधी कार्य हेतु आवशयक प्रचार गतिविधियां का आयोजन कर जनजागरूकता लाने का प्रयास करें। मौके पर स्वास्थ्य विभाग को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मच्छरदानी का वितरण एवं इसके नियमित उपयोग हेतु जागरूकत करने का निर्देश दिया गया।
इस दौरान 15-18 जून तक चलने वाले कुष्ठ रोग पहचान अभियान-2023 को सफल बनाने के लिए भी विचार विमर्श कर टास्क फोर्स में मौजूद सदस्यों को अपेक्षित सहयोग करने एवं तत्संबंधी गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।

बिजली समस्या से ठप पेय जलापूर्ति पर सख्त जिप सदस्या

कहा- अधिकारी अपनी कार्य शैली में सुधार करें या तो डुमरी छोड़ दें

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। प्रखण्ड के जामतारा डुमरी ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना का विद्युत ट्रांसफार्मर जल जाने से इस प्रचंड गरमी में बीते नौ दिनों से जामतारा डुमरी में पेयजलापूर्ति नहीं हो रहा है। जिसके कारण लोग पानी के लिए परेशान हैं। जबकि रांगामाटी ग्रामीण पेयजलापूर्ति योजना व इसरी बाजार पेयजलापूर्ति योजना से नियमित पेयजल की आपूर्ति नहीं होने से लोग खासे परेशान हैं।तीनों पेयजलापूर्ति योजना का बिजली कनेक्शन ओल्ड फीडर से जुड़ा है।
जिसमें अक्सर बिजली समस्या बनी रहती है जिसके कारण पेयजल आपूर्ति संचालन प्रभावित होती रहती है।ग्रामीणों द्वारा इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों के पास कई बार किया गया। लेकिन विभाग के द्वारा समस्या के

समाधान की दिशा में कोई पहल नहीं हुआ। तत्पश्चात ग्रामीणों ने इसकी जानकारी क्षेत्र के जिप सदस्य सुनीता कुमारी को दी।जिप सदस्या ने
इसे गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को इसरी बाजार के स्टेशन रोड स्थित बिजली विभाग अवर प्रमंडलीय कार्यालय में बैठ गयी। साथ ही सभी कर्मियों से सख्त लहजे में कहा कि बिजली समस्या से लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं।इसलिए आप सबों को भी आज दिन भर बिना पानी के रहना होगा। ताकि आप लोगों को यह महसूस हो कि पेयजल की उपलब्धता के बिना क्षेत्र के ग्रामीणों को किस कठिन परिस्थितियों में जीवन गुजर करना पड़ रहा है।वहीं जिप सदस्य ने दूरभाष के द्वारा बिजली विभाग के जीएम और एई से बात कर सख्त लहजे में कहा कि यदि 24 घंटे के अंदर डुमरी जामतारा पेयजलापूर्ति योजना का जला ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें, क्योंकि क्षेत्र की जनता को समस्या होगी तो आपलोगों को भी समस्या होगी।वहीं इसकी जानकारी उपायुक्त को भी दी।उपायुक्त ने समस्या समाधान का आश्वासन दिया।इधर जिप सदस्य ने कहा कि क्षेत्र के विभागीय अधिकारी अपनी कार्यशैली एवं व्यवस्था में सुधार करें नहीं तो डुमरी छोड़ दें।कहा कि बिजली विभाग का हाल तो ऐसा है कि यदि एक तार गिर जाये या फिर एलटी कट जाये तो उसे ठीक कराने के लिए भी लोगों को पैरवी करानी पड़ती है।ऐसी व्यवस्था को बदलने के लिए जो भी करना होगा,उसे किया जाएगा।कहा कि उक्त तीनों पेयजलापूर्ति योजना से लोगों को नियमित पेयजल की आपूर्ति मिले, इसके लिए एक कारगर कदम उठाने की आवशयकता है।जिप सदस्य ने कहा कि आज तो सिर्फ एक ट्रेलर था यदि व्यवस्था सुधार नही हुआ तो ऐसे लापरवाह अधिकारियों का हुक्का पानी बंद कर दिया जाएगा।

मन का मिलन पखवाड़ा पहुंचा आखिरी पड़ाव पर

- **सात पारिवारिक वादों में दंपतियों को आपस में मिलाकर कराया गया समझौता**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, अनिल कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम चलाया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रखंडों में निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही जागरूकता हेतु प्राधिकार के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के द्वारा भी लोगों को जानकारी प्रदान की जा रही है। मंगलवार को मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थों के द्वारा कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित लोगों को मध्यस्थता के बारे में छोटे-छोटे विवाद के निष्पादन समेत अन्य संबंधी विवाद, पारिवारिक विवाद, तलाक संबंधी मामले, आपराधिक मामले, वाहन दुर्घटना संबंधी मामले, विद्युत, उत्पाद विभाग संबंधी मामले, वाणिज्य मामले, चेक बाउंस समेत विभिन्न नए और पुराने मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से मन का मिलन पखवाड़ा के माध्यम से सुलझा सकते हैं।

कविता

जरा- सा

जरा- सा,
ग़र तुम कदम बढ़ाओं,
औ' बढ़ाऊँ मैं भी कदम,
तो रिश्ते मधुर बन जायेंगे,
इतिहास नया लिख जायेंगे।

जरा- सा,
छोड़ दो तुम नफ़रतें करना,
औ'मेरा फ़ासलों का रखना,
तो, अरमां दिल के न टूटेंगे,
अपनों से फिर न यूँ रूठेंगे ।

जरा- सा,
छोड़ चलों तुम ग़र अभिमान,
औ' छोड़ चलूँ मैं मिथ्या ज्ञान,
तो, सज़दा को आयेंगे हमारे,
मन्दिर,मस्जिद,पूरी दुनिया-हुजुर। ।

जरा- सा,
बदल चलो ग़र तुम कातिल इरादें,
औ' मैं बदल चलूँ खौफनाक चालें,
फिर तो, मौजे बहार होगी हमारी,
निभायेंगे सब रिश्तें, कसमें, वादे।

जरा- सा
ग़र तुम स्वार्थ छोड़ चलों,
औ' मैं निरर्थक व्यवहार,
स्वर्ग लगेगी धरती इतना,
आसमां से मिलेगा प्यार।

जरा- सा,
जो तुम सुनो उस दिल की,
औ' मैं सुन लूँ इस दिल की,
तो, मिट जायेंगे गम ये सारे,
चमकेंगे घर खुशियों के तारे ।

जरा - सा,
जो तुम करो दिल से वफ़ा,
औ' दूँ मैं दिल -ए-सम्मान,
यकीं करो प्रसन्न हो जायेंगे,
गॉड, खुदा और भगवान ।

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका ।

बिट्टू खान हत्याकांड का खुलासा, पांच गिरफ्तार

रांची

जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर हुई थी तनवीर की हत्या

बरियातू थाना पुलिस ने तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू खान हत्याकांड का खुलासा करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों डोरंडा निवासी रोहन कुमार उर्फ रोहन श्रीवास्तव, मो आरीफ, अंकित कुमार सिंह, दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह उर्फ लकी शामिल हैं। इनके पास से 7.65 एमएम का दो देशी पिस्तौल, तीन गोली, दो बाइक, चार मोबाईल बरामद किया गया है।

एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गत छह जून को तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मामले को लेकर तनवीर की मां नाजमा खातून ने थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी शुभांशु जैन और सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया। एसआईटी ने तकनीकी अनुसंधान के सहयोग से हत्या में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी ने बताया कि तनवीर को मारने का प्लान दो-तीन माह पूर्व ही बनाया गया था। अंकित कुमार सिंह को एदलहातू टीओपी और दीपक कुमार सिंह को तनवीर के घर के रेकी का काम सौंपा गया था। तीन जून को जेल में बंद राज वर्मा से निर्देश प्राप्त करने के लिए दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह जेल में मिलने गया था। जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर घटना को अंजाम दिया गया।

घटना के दिन एक बाइक पर दुर्गा और अभिषेक मल्लिक था। बाइक दुर्गा चला रहा था। अभिषेक मल्लिक के पास पिस्तौल था। दूसरा बाइक पर रोहन श्रीवास्तव और रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी बैठा था। रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी पिस्तौल लेकर पीछे बैठा था। दोनों ने तनवीर पर फायरिंग की और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी थी। घटना को अंजाम देने के बाद डोरंडा के मो आरिफ के पास आर्म्स और बाइक छिपाने के लिए दिया गया था।

एसएसपी ने बताया कि रोहन कुमार उर्फ रोहन श्रीवास्तव के खिलाफ रांची के चार थानों में पूर्व से मामला दर्ज है जबकि मो आरीफ के खिलाफ पूर्व से पांच मामले दर्ज हैं। दीपक कुमार सिंह पर दो मामले पूर्व से दर्ज हैं।

महिला पहलवानों के मामले में दिल्ली पुलिस की जांच पर झामुमो ने उठाए सवाल

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा सांसद बृज भूषण सिंह के यौन शोषण के आरोप मामले में दिल्ली पुलिस की जांच को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स में देश को गौरवान्वित करने वाली महिला पहलवानों और दूसरे खिलाड़ी जनवरी से दिल्ली में आंदोलनरत हैं। पिछले दिनों गृह मंत्री ने खिलाड़ियों से कहा था कि कानून अपना काम करेगा। फिर खेल मंत्री ने कहा कि 15 जून तक चार्जशीट दायर हो जायेगा। अब दिल्ली पुलिस सांसद के खिलाफ आरोप लगाने वाली महिलाओं से सबूत मांग रही। उन्होंने मारपीट की शिकायत दर्ज नहीं करायी थी जो चोट के निशान दिखा पातीं। यौन शोषण, यौन अत्याचार की भुक्त भोगी महिलाएं भला कहीं वीडियो रिकॉर्डिंग रख सकती हैं क्या।

भट्टाचार्य मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं के अंगों को गलत नीयत से स्पर्श किया गया, आलिंगन किया गया। इसकी रिकॉर्डिंग कैसे संभव है। ऐसे में लगता है कि केंद्र अपने एक सांसद के जघन्य अपराध को गौरवान्वित कर रहा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री बताएं कि कानून किस दिशा में कैसे काम कर रहा है।

भट्टाचार्य ने कहा कि सांसद बृज भूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण, यौन अत्याचार का आरोप लगाते हुए कई खेल रत्न दिल्ली में धरना पर बैठे है। तब खेल मंत्री ने जांच कमेटी बनायी। इसकी रिपोर्ट सामने नहीं आयी। लोग पूछने लगे कि एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हो रही। अंततः सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। पॉक्सो एक्ट लगा पर नियमतः गिरफ्तारी नहीं हुई। उल्टा उसकी ओर से दबाव देकर बयान बदलवाया गया। अब तो इस एक्ट को भी हटा लिया गया है।

> पीड़ित महिलाओं के अंगों को गलत नीयत से स्पर्श किया गया, आलिंगन किया गया। इसकी रिकॉर्डिंग कैसे संभव है। ऐसे में लगता है कि केंद्र अपने एक सांसद के जघन्य अपराध को गौरवान्वित कर रहा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री बताएं कि कानून किस दिशा में कैसे काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 28 मई को जब संसद के नए भवन का प्रधानमंत्री उद्घाटन कर रहे थे, तो पहलवानों को घसीटा गया, पीटा गया। कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हुए। जब समाज सामने आया तो गृह मंत्री ने अपने पास पहलवानों को बुलाया। कहा कि कानून अपना काम करेगा। फिर खेल मंत्री ने भी बुलाया। सहमति बनी कि 15 जून तक चार्जशीट जमा हो जायेगा। पर अब खबर सामने आयी है कि दिल्ली पुलिस पीड़ितों से सबूत मांग रही है।

झारखंड में वोटर लिस्ट में नवम्बर तक नाम जोड़ने का मौका : के. रविकुमार

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रविकुमार ने कहा कि 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग तैयारियां कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम राज्य में जून महीने की शुरू है। यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। के. रविकुमार ने मंगलवार को निर्वाचन सदन में पत्रकार वार्ता में कहा कि मतदाता सूची के आधार पर ही आगामी लोकसभा चुनाव का संचालन होगा। ऐसे में यह जरूरी है कि सभी योग्य नागरिकों का निबंधन इस प्रोग्राम के जरिये मतदाता सूची में कर लिया जाए। एक भी वोटर मताधिकार से वंचित ना रहे।उन्होंने कहा कि राज्य में 21 जुलाई से 21 अगस्त तक बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन होगा। वोटर लिस्ट, फोटो मतदाता पहचान पत्र में त्रुटियों का निवारण 22 अगस्त से 29 सितम्बर तक होगा। 17 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक मतदाता सूची में नाम और अन्य कार्यों से संबंधित दावा और आपत्ति संबंधी आवेदन दिए जा सकेंगे। पांच जनवरी, 2024 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक पिछले पांच पुनरीक्षण कार्यक्रम से मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। 10 जनवरी, 2018 को पुनरीक्षण कार्यक्रम के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में कुल वोटरों की संख्या 21835434 थी। इसी तरह 30 जनवरी, 2019 को जारी सूची में एक फीसदी की वृद्धि के साथ यह संख्या दो करोड़ 98 लाख 1479 हो गयी। 12 अक्टूबर, 2019 को यह आंकड़ा 22617612 हो गया। 15 जनवरी, 2021 को जारी सूची के मुताबिक 23539328 वोटर (2.18 प्रतिशत की वृद्धि) हो गये। पांच जनवरी, 2022 को सूची में 2.70 फीसदी बढोत्तरी के साथ 24473937 वोटर हुए। पिछली बार (5 जनवरी, 2023) को जारी लिस्ट में 2.25 प्रतिशत वृद्धि के साथ कुल वोटर 24529841 हो गये।

पोर्टल पर खुद को मतदाता के रूप में सूचीबद्ध कर सकते हैं नागरिक

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाताओं को सूची से जोड़ने की कवायद तो कर ही रहा है, आम नागरिक भी वोटर सर्विस पोर्टल पर जाकर जरूरी डॉक्यूमेंट अपलोड कर खुद को मतदाता के रूप में सूचीबद्ध कर सकते हैं। चुनाव आयोग स्पीड पोस्ट के माध्यम से उनका वोटर आईडी कार्ड उनके पते पर भेज देगा। वहीं, पोर्टल पर जाकर वोटर आईडी में नाम सुधार, फोटो सुधार, पता सुधार आदि भी सहज तरीके से किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए जहां विशेष कैंप का आयोजन होगा, वहीं हर घर का सर्वे कर मतदाताओं को सूची से जोड़ा जाएगा और त्रुटियों का सुधार भी होगा। यह कार्य 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा। इसमें 17 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक यदि कोई दावा या आपत्ति हो तो उसे दर्ज कराया जा सकेगा।

> **डुमरी विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कभी भी**
>
> डुमरी विधानसभा उपचुनाव के एक सवाल पर के. रवि कुमार ने कहा कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग कभी भी इसकी घोषणा कर सकता है। दो महीने से अधिक समय से यह सीट रिक्त है। हालांकि, अभी आयोग से कोई निर्देश नहीं आया है।

झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा, वर्ष 2016 के बाद से जेटेट परीक्षा की परीक्षा क्यों नहीं ली गई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई की। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि झारखंड में वर्ष 2016 के बाद से जेटेट की परीक्षा क्यों नहीं ली गई? कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को एक सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 जून निर्धारित की है।खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए जेटेट परीक्षा से संबंधित हाई कोर्ट में दायर अन्य याचिकाओं को भी इस याचिका के साथ संलग्न कर इसकी सुनवाई एक साथ करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, अधिवक्ता कुशल कुमार, विशाल कुमार ने पैरवी की।

याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार को जेटेट परीक्षा शीघ्र लेने का आदेश देने का आग्रह कोर्ट से किया है। याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा है कि बीते सात वर्षों से झारखंड में जेटेट की परीक्षा आयोजित नहीं हो रही है। याचिकाकर्ता ने प्रार्थना की है कि सीटेट को भी जेटेट की तरह झारखंड में मान्यता दी जाए। क्योंकि, राज्य सरकार जेटेट की परीक्षा कराने में पिछले सात साल में असफल रही है। ऐसे में सीटेट पास अभ्यर्थियों की उम्र सीमा भी धीरे-धीरे खत्म हो रही है।

भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान में जनता का मिल रहा समर्थन : सरोज पांडेय

रांची। भाजपा की राष्ट्रीय नेता, जनसंपर्क अभियान की झारखंड प्रभारी सांसद सरोज पांडेय मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर रांची पहुंची। प्रदेश कार्यालय में शाम छह बजे उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय में महा जनसंपर्क अभियान की प्रदेश टोली की बैठक को संबोधित किया।

सरोज पांडेय ने कहा कि देशभर में महा जनसंपर्क अभियान को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। भाजपा का जनसंपर्क अभियान सर्वव्यापी, सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियां बेमिसाल हैं। जनता तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को अपार समर्थन के साथ प्रधानमंत्री बनाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के पास कोई उपलब्धियां नहीं हैं। इसलिए महा ठगबंधन सरकार चलाने वाले भाजपा के अभियान से डरे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार ने जनता की भलाई के लिए कुछ किया है तो उन्हें प्रचारित करने से कौन रोका है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता सब जानती है और 2024 के चुनाव में ठगबंधन को सबक सिखाने के लिए तैयार है।

बैठक में प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय एवं प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर ने अंगवस्त्र एवम पुस्तक देकर उनका स्वागत किया। बैठक में गणेश मिश्र, विधायक बिरंची नारायण, प्रशिक्षण प्रमुख मनोज कुमार सिंह, हेमंत दास, सूरज चौरसिया, शिवपूजन पाठक, अमित कुमार सिंह, राहुल अवस्थी, मृत्युंजय शर्मा, राजश्री जयंती, उमाशंकर केडिया, चंदन कुमार आदि उपस्थित थे।

जैक ने 11वीं का रिजल्ट किया जारी, कोडरमा अव्वल, रांची को 23वां पोजिशन

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो ने मंगलवार को ऑनलाइन 11वीं कक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। रिजल्ट जारी करते हुए उन्होंने कहा कि सभी जिले का परिणाम अच्छा रहा है। हम और बेहतर की उम्मीद के साथ कोशिश कर सकते हैं। बोर्ड की ओर से जारी रिजल्ट के मुताबिक 11वीं का रिजल्ट 98.15 प्रतिशत रिजल्ट रहा। 11वीं में 6780 बच्चे फेल कर गए जबकि 9984 बच्चे अनुपस्थित रहे।

11वीं के रिजल्ट में कोडरमा जिला अव्वल रहा है। इस जिले का पासिंग प्रतिशत 99.74 है। दूसरे स्थान पर हजारीबाग जिला है। यहां का रिजल्ट 99.51 प्रतिशत है। 99 फीसदी से अधिक रिजल्ट वाले जिले में बोकारो, सिमडेगा, लातेहार और गुमला शामिल है। इसमें सबसे निचले पायदान में रांची और पश्चिम

सिंहभूम रहा है। रांची का रिजल्ट 96.65 प्रतिशत और पश्चिमी सिंहभूम का रिजल्ट 96.20 प्रतिशत रहा। रांची के जिले का स्थान 23वें नंबर पर है।

फेल हुए विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा मौका

जैक की ओर से बताया गया है कि 11वीं की परीक्षा में जो बच्चे फेल हुए हैं, उन्हें फिर से अगले साल परीक्षा देनी होगी। फेल हुए स्टूडेंट्स को बोर्ड की ओर से एक और मौका नहीं दिया जायेगा। बोर्ड की ओर से ऐसे सभी नौवीं और 11वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष परीक्षा का आयोजन नहीं किया जायेगा। इससे पहले मैट्रिक व इंटर के अंक से असंतुष्ट छात्रों से फिर से मूल्यांकन के लिए आवेदन लिया जा रहा था।

आठवीं में 26 हजार बच्चे हुए असफल

इससे पहले जैक ने झारखंड बोर्ड 8वीं कक्षा का रिजल्ट जारी किया था, जिसमें इस वर्ष 5,43,164 स्टूडेंट्स ने भाग लिया था, जिनमें से 5,15,688 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की। इस वर्ष 8वीं का पास पर्सेंटेज 94.94 फीसदी दर्ज किया गया है। 26,298 स्टूडेंट्स 8वीं की बोर्ड परीक्षा में फेल हो गए है।

विदेशी शराब विक्रय में हुए गबन पर पूर्व सीएम बाबूलाल ने कसा तंज

गिरिडीह। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सब भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह जिले में सरकारी शराब दुकानों द्वारा एक करोड़ इक्कीस लाख रुपए के गबन पर तंज कसा है। इस मामले पर उन्होंने आज ट्वीट करते हुए कहा कि मेरे गृह ज़िले गिरिडीह में शराब कंपनी और सेल्समैन की साठगांठ से करोड़ों रुपए के गबन का मामला प्रकाश में आया है।दिलचस्प बात यह है कि इसमें भी उसी ''छत्तीसगढ़ी कंपनी₹ की संलिप्तता सामने आई है, जो वहाँ जाँच के आँच में फँस चुकी है। आगे श्री मरांडी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने शराब नीति के नाम पर घोटाले का ऐसा जाल बुना कि इसमें झारखंड और सोरेन राज परिवार के ''झारखंडी राजकुमार'' को भी फंसा लिया।

यहां बता दें कि इससे पूर्व भी वे दिल्ली के मंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद से सीएम पर उंगलियां उठाने तथा आरोप लगाते रहे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक गिरिडीह के उत्पाद निरीक्षक जॉय हेमब्रोम के अनुसार साल 2022 और 2023 का ऑडिट जब किया गया तो यह बात सामने आई कि इस वित्तीय वर्ष में हर रोज जिले के 81 शराब दुकान में 30 लाख की बिक्री होती थी।लेकिन जिस अनुपात में बिक्री हुई उस अनुपात में दुकान के सेल्समैन ने सरकार के खाते में राशि जमा नहीं कराया।करीब एक करोड़ 21 लाख का सरकारी राशि गबन किया गया।उत्पाद निरीक्षक के अनुसार शराब दुकान में सेल्समैन को रखकर ग्राहकों को शराब बेचने की व्यस्था राज्य सरकार द्वारा की गई थी और इस नई व्यस्था के तहत गिरिडीह के शराब दुकानों में शराब विक्रय करने हेतु निजी एजेंसी सुमित फैसिलिटी को जिम्मा दिया गया था।अब जाकर गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर मामला दर्ज किया गया है।

इधर श्री मरांडी ने अपने ट्वीट में लिखा कि हेमंत सोरेन जी किस लालच में ₹छत्तीसगढ़ मॉडल₹ को अपनाने के लिए लालायित थे?राजस्व की हो रही भारी क्षति की जिम्मेदारी कौन लेगा?सरकार का माय बाप कौन है?मैं फिर कह रहा हूँ, आने वाले दिनों में झारखंड में भी शराब घोटाले का बहुत बड़ा मामला सामने आएगा।हाँ, जाँच एजेंसियों का हाथ ₹साहब₹ के गले तक भी जाना तय मानिये। बस इंतज़ार करिये और आगे-आगे देखते जाईये।

झारखंड को बिचौलियों ने किया बदनाम : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को एक के बाद एक किये गये तीन ट्वीट में बाबूलाल मरांडी ने हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और दूसरे राज्यों में झारखंड की बन रही छवि और झारखंड की शराब नीति पर हुए घोटाले को लेकर निशाना साधा है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि साहिबगंज 1000 करोड़ खनन घोटाले के प्रमुख आरोपित पंकज मिश्रा की तबीयत खराब होने की खबर है। कैदी के रूप में उन्हें इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया है। उनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री हेमंत से अनुरोध है कि वे यूज एंड थ्रो मत करें।

पंकज को यूं ही उसके हाल पर भगवान भरोसे मत छोड़िये। पंकज को बेहतर इलाज मुहैया कराने का इंतजाम कराइये।

बाबूलाल मरांडी ने दूसरे राज्यों में बन रही झारखंड की छवि की चर्चा करते हुए ट्वीट किया, पिछले दिनों जब मैं मध्यप्रदेश के दौरे पर था तब कई बार लोगों के झारखंड के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों पर असहज हो गया।

पत्रकार बंधुओं के साथ आम लोग भी जब मिल रहे थे तो उनका एक ही प्रश्न था, झारखंड में क्या हो रहा है?हेमंत सोरेन भी इस महालूट में शामिल हैं क्या? उनकी भी गिरफ्तारी होगी?

मैं उनसे इतना ही कहता था कि झारखंड को लुटेरों ने लूटा है लेकिन सबका हिसाब हो रहा है। कुछ का बाकी है जो आने वाले दिनों में होगा।

एक झारखंडी होने के नाते मन बहुत तकलीफ से भर जाता है कि देश में हमारे राज्य की छवि को कुछ बेईमान अफसरों, दलालों-बिचौलियों और साहब के गिरोह ने बदनाम कर दिया है। बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की शराब नीति पर भी निशाना साधा है।

महासंघ ने ऑटो चालक हत्याकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

झारखंड प्रदेश डीजल ऑटो चालक महासंघ ने ऑटो चालक रोहित कुमार झा की हत्या मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संघ के प्रदेश महासचिव गुड्डू श्रीवास्तव सहित अन्य ने मंगलवार को चुटिया थाने में लिखित शिकायत करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने कहा कि रोहित झा की हत्या करने वाले अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी हो। साथ ही ऑटो चालक के परिवार को उचित मुआवजा सरकार की तरफ से दिया जाए। शिकायत करने वालों में प्रदेश सचिव तबरेज अहमद, महानगर अध्यक्ष बादल थापा, रांची रेलवे स्टेशन मार्ग अध्यक्ष भोला सिंह एवं महासंघ के सदस्य शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि दो बाइक सवार अपराधियों ने सोमवार को चुटिया थाना क्षेत्र के ऑटो चालक रोहित कुमार झा की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी घटनास्थल पर बाइक छोड़कर फरार हो गये थे। पुलिस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

On Superstition

Professor M. C. Behera

Jharkhand dekho desk : In 2016 Professor Peter Ronald Desouza (The Centre for the Study of Developing Societies) analysing ideas and features of "The Scientific Temper Movement"stressed that "It's time for a fresh fight against superstition." We, therefore, agree with Professor Behera's analysis that "It is not the practice which is superstitious, but the mental perception that makes it superstition..... For people, there is nothing called superstition as long as they believe honestly what they do. Otherwise, it is confusion; contradiction between belief and practice; hypocrisy by people who do not believe themselves but practise to propagate to others; and arrogance and ignorance-breed opinion."--Editor

Superstition is generally a label for irrationality in religious beliefs and practices of 'others'. Obviously, it is a perception of top down processing of 'others' on the question of 'rationality'. Simply, it reflects attitude of 'self' towards 'others', a feeling of 'we' for 'they'. It is widely used to mark a host of practices prevalent in Hinduism and indigenous religions all over the world with the advent of colonial rule. During that period similar practices in Christianity and Islam were not so profoundly marked superstitious as were Hindu and tribal practices.

If absence of rationality is superstition, it is evident in different decisions one takes in one's life time. One does not depend on rationality while purchasing branded products at posh malls when substitutes are available on foot path at much cheaper rate. Obviously, the choice is beyond rational thinking; subjective factors like taste, preference, attitude, prestige, status etc. determine the choice. Why such decisions are not superstitious and why decisions with regard to religious practices are targeted are questions of further objective investigation. Predictions of Nostradamus and Baba Vanga have never been criticised as superstitions despite the fact that they are not based on 'rationality'. Nevertheless, some of their predictions are found to be true so far. Peter Hurkos's prediction through his extrasensory perception and parapsychological studies are accepted, rejected or criticised, often as pseudo-science, but never labelled with any superstition tag. Lack of rationality is attributed mostly to practices in the field of native religions of India. Though practices may not qualify rationality test, still their existence is not meaningless for the people who perform it.

In Hindu and tribal religions all aspects of life are interrelated. Necessarily, any aspect, for example faith, pervades through all other aspects so that life-ways function as an integrated whole. To relate superstition to such types of religion is to declare all aspects of life of people superstitious and place these people on an inferiority scale. This is evident when European power labelled tribes with the tag 'savage' and Hindus with 'idol worshippers' and many others.

Superstition is a judgemental opinion that

arises from superiority and inferiority dichotomy. However, it does not have an agreed upon definition, though it is associated with religious beliefs and practices. Is it a label for a belief or a practice in the belief? Usually, superstition refers to practices in a belief. Arguably, belief in meritorious life after death is not superstition, it is a mere belief. But practices like becoming Sati or killing kafer (non-Muslims) to earn merit is a superstition. Had belief been superstition, then all religious beliefs would have the tag of superstition. When religion is a superstition, automatically all practices therein are so. But this is not the case. People who believe in rationality also have a religious identity or belief in it. Once a journalist asked Einstein if he believes in God or not. Rapt came the reply, yes. The astonished journalist asked the reason. Einstein instead of answering the question asked another question. Do you believe in relativity theory? Journalist: Yes. Can you prove it? Journalist: No. That is exactly why I believe in God. To know God is not my field of research as relativity theory is not yours. As you believe in me I believe in others whose field is to know the Gods. Has this argument rationality? It is a belief and in the belief there are no superiority and inferiority considerations and so no labelling. Nevertheless, followers of some religions consider their respective religions to be the only true religion and others false. What follows so far from the discussions is the issue of true and false, not rational and irrational. Rationality feeds on facts. Absence of fact, however, is not the only criterion to define superstition. We can cite an example. A mother-in-law, fond of cat, tied it on the day of sradha so that the cat did not feast on milk and other milk products. After her death, the daughter- in-law, who used to observe her mother-in –law, brought a cat from the neighbour to tie up on sradha day. In this example, the practice is a continuity of observable fact, but not the reason. Superstition is not always an absence of fact; it is sometimes without a reason. Tying up the cat was not superstition, but it became one when the practice did not accompany the reason. Rationality is at the core of labelling the tag of superstition to a practice. The tag is dropped and the practice discontinues with the dawn of rationality. Undoubtedly, superstition is a relative phenomenon over time, space and culture. In fact it is both religious universal and religious specific. The phenomenon, called superstition exists in all religions. But it differs from religion to religion. The belief of enjoying 72 Hoors after killing Kafirs or dying in jihad is specific to Muslim belief only. Sati was a practice in some social groups in Hindu tradition, but not in Islam or Christianity.

There is no rationality in the belief that one attends heaven if one dies in a war. But still it is believed. There is no logic to believe that kings are representatives of the Divine. But it was believed. The first belief inspired soldiers to fight while the latter created a sense of loyalty for a stable administration. These beliefs had psychological reinforcements and functional utility. However, such beliefs are no more there in our present time. Each belief has its own time depending on people's ideological perception of that period and is discarded at the dawn of new ideology.

Premonition about happenings is not altogether a baseless absurdity. Abraham Lincoln had a premonition in his dream that he came upon his own corpse a week before his assassination. Eryl Mai Jones dreamt about the Aberfan Mining Disaster which happened in 1966, David Booth's dream about a commercial aviation disaster which happened in 1979, Morgan Robertson's prediction about the sinking of Titanic, and similar dreams have no rationality, but they came true. Mark Twain's dream about Henry Clemens' death, Kathleen Middleton's premonition about Robert Kennedy's assassination, Carl Jung's dream about World War I also came true. These do not have any rational basis of explanation. Are they superstitions then?

Labelling the tag of superstition to other's practice similar to the one prevailing in one's religion is a reflection of superstitious mind on two counts. First it reflects lack of appreciation to differences, and thus to a superiority claim; and second, it may be ignorance about the rationality behind the practice. For the Nyishi community killing a single flying hornbill is tabooed. It is believed that the hunter would be cursed and his family destroyed. Researches reveal that male and female hornbills fly together except when the latter hatches egg. The male bird fetches food for them. If male bird is killed, its family would die of hunger. This knowledge might have been acquired empirically over the years of Nyishi's interaction with their natural surroundings. Over the passing years, the practice of not killing continued, but not the reason behind, and the whole phenomenon became a superstition for others.

Belief in superstition by itself is superstition. Those who believe a practice, which is a superstition for others, is a belief for them. Those who do not believe, for them it is not a belief and in fact has no meaning. Those who do not believe, but use it to gain from believers, for them it is an instrument of exploitation. Idol worship is considered to be a superstitious practice by those who do not understand that it is not idol but the idea behind it that carries meaning. So it is also often ignorance that sees irrationality in a practice of others. Belief in a power through an idol has a psychological implication. Psychology is a scientific study and has no room for speculation and superstition.

People worship a god, but due to one reason or other convert to another religion. The practices which were once their belief became superstitions due to changing perceptions shaped by the new one. It is not the practice which is superstitious, but the mental perception that makes it superstition. So, superstition itself is questionable. Every culture has practices which comprise belief system, but do not have 'rationality' in them that people of the concerned culture apply to label similar practices of others' as superstition. It has nothing to do with rationality, but it is sense of superiority or an attitude of taking pleasure in other's activities by constructing an inferior space for them. It is psychological problem. Buddha neither believed nor denounced god, but did not label the tag of 'blind belief' or irrationality to belief in god by others. One's rationality, therefore, should not be the yardstick of making judgement on differences one finds in others. One should remain indifferent and non-reactive with patience till the latter see their practices with a realisation of the absence of rationality. Hurting others in one or other way, for example by labelling the tag of superstition, is not a rational behaviour, for it shows irrationality as it's based on negative perceptions.

Rationality is a very small part of totality of human behaviour. This does not help in understanding the subjective aspects of behaviour which are psychological reinforcements for a balanced living and indispensable. There are people who claim rationality. But most of them engage in practices which according to their logic could be superstitions. They often advance justifications for obvious contradictions in behaviour. But such justifications do not rationalise their objective behaviour based on subjective judgment. Such contradictory persons are 'real superstitions'; they perform what they do not believe to be rationally true!

Issue of superstition in belief system is not superstitious in the absence rationality; it is the issue of exploitation, disrespect, inferiority consideration that one holds against the other, is the real concern. For people, there is nothing called superstition as long as they believe honestly what they do. Otherwise, it is confusion; contradiction between belief and practice; hypocrisy by people who do not believe themselves but practise to propagate to others; and arrogance and ignorance-breed opinion. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare views expressed by the author are his own and in no way the Editor be District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;Theheld responsible for the them—Editor.)

मां बच्चों की कश्ती की ना खुदा है और अपने औलाद के हक मैं साया रहमत है: मौलाना आसिफ इकबाल

मां फिरदोसे बरी है मां जिंदगी की रौनक है: अजमल नूरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। दिन सोमवार को एक शानदार ₹अजमत ए वालदेन कॉन्फ्रेंस₹ सर जमीन झूमरबाद देवीपुर प्रखंड ने हजरत मौलाना मुफ्ती परवेज आलम मिस्बाही व ब्रदराने मिल्लत के जेरे कयादत हाजी मोहम्मद सिद्दीक व अध्यक्षता हजरत मौलाना बदरुद्दीन साहब की तत्वाधान में हुई! कॉन्फ्रेंस का संचालन हजरत मौलाना कमरुद्दीन मिस्बाही बोकारो और कारी साजिद उल कादरी ने बड़े ही खूबसूरत अंदाज से अंजाम दिए! महफिल का शुरुआत हाफिज तेहारत हुसैन के कुराने पाक की तिलावत से हुई इसके बाद बारी बारी सुराए कराम इंटरनेशनल शायर हबीबुल्लाह फैजी सावन मधुपुरी जावेद अख्तर फैजी नईम अख्तर ने अपने अपने सुनहरी और मीठी आवाज से आधी रात तक उपस्थित लोगों को

समेटे रखा!

*वही कॉन्फ्रेंस से हजरत मौलाना आसिफ इकबाल ने वालदेन की अहमियत के बारे में संबोधित करते हुए कहा मां फिरदोसे बरी है मां जिंदगी की रौनक है मां अपने बच्चों की कश्ती की ना खुदा है मां अपनी औलाद के हक में साया रहमत है मां सब्र व तहम्मूल का बेहतरीन नमूना है मां उल्फत की देवी है मां रब्बुल इज्जत की तरफ से अता की गई एक ऐसा बेस व बहा कि तोहफा है जिसका इस जमीन पर कोई बड़ी दौलत नहीं है मां की कदर करो क्योंकि मां के पैरों के नीचे जन्नत है! उन्होंने कहा दीन इस्लाम ने औरतों का साथ जो इंसाफ किया है वह किसी से छुपी नहीं है हमारे नबी अकरम सल्लल्लाहो वसल्लम का सबसे ज्यादा रहमो करम हुआ तो वह औरतें हैं जिन्होंने औरतों को इज्जत बख्शी और हक और हुकूक की दौलत से मालामाल किए! दीन इस्लाम में औरतों के साथ यह इंसाफ किया और इसी का नतीजा है कि आज मां के कदमों के तले जन्नत है!

*वही हजरत मौलाना अजमल नूरी ने संबोधित करते हुए कहा जब खालीके कायनात अल्लाह ताला ने औरतों की तखलिक का इरादा किया तू चांद से ठंडक, आफताब से तमाजत, आसमान से वसअत, जमीन से पस्ती, और कायनात की बेशुमार चीजें को एक जगह जमा करके औरत को वजूद मैं लाया और औरत को इन तमाम चीजों का हमिल बना दिया! कुदरत ने औरत को इस कायनात के मरकजी नूक्का की हैसियत दी है जिससे समाज की पैदाइश और परवरिश अमल में आती है! अल्लाह ताला ने औरत को मां बनाकर इसके ऊपर सबसे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है! मां की मोहब्बत की देवी करार दिया है तो किसी को ममता सब्र और कुर्बानी का मुजस्सम बताया है इसीलिए मां की अंदर सभी खूबियां मौजूद होती है क्योंकि समाज और मासरे को अगर कोई सवार सकती है तो वह नेक बा अमल औरत ही होती है क्योंकि बच्चों की पूरी देखभाल इन्हीं पर निर्भर है वह जिस तरह चाहे अपने बच्चों को ढाल सकते हैं इसीलिए मां को बच्चों का पहली मकतब करार दिया गया है! इसके अलावा हजरत मौलाना मुफ्ती सऊद आलम मिस्बाही, मौलाना कमरुद्दीन, मौलाना निसार अहमद इत्यादि ने संबोधित किया और दुआ ए मगफिरत पर महफिल खत्म हुई!

वसुंधरा राजे सिंधिया ने बाबानगरी से भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुंकार भर 2024 में फिर से मोदी को लाने का संकल्प दिलाया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। झारखंड में आगामी लोक सभा चुनाव की तैयारी भाजपा द्वारा शुरू कर दी गई है।केंद्र की मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा मासव्यापी महा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।30 मई से शुरू हुए इस अभियान को और धारदार बनाने के लिए आज बाबा नगरी में पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अंदर जोश भरने के लिए महा जनसम्पर्क रैली को संबोधित किया और 9 साल सेवा,समपर्ण ,सुशासन की सरकार की उपलब्धि को जनजन तक पहुचाने का कार्यकर्ता को उत्साहित की।वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस और झारखंड सरकार सिर्फ देश को लूटने का काम की है।जबकि मोदी सरकार का विकाश दुनिया मे चर्चा है।झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार में भ्रष्टाचार हावी है यही कारण है कि इनके कई अधिकारी आज जेल की हवा खा रहे हैं।खनिज संपदा से भरपूर झारखंड की सभी लोकसभा सीट भाजपा की झोली में आ सके इसके लिए कार्यकर्ताओं को दिन रात मेहनत करने की जरूरत है।इससे पहले वसुंधरा राजे सिंधिया का देवघर एयरपोर्ट पर आगमन होने बाद गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे,देवघर विधायक सह पार्टी जिलाध्यक्ष नारायण दास , सारठ विधायक रणधीर सिंह गोड्डा विधायक अमित मंडल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

राहुल ने अब अमेरिका में ट्रक की सवारी:ड्राइवर ने महीने की कमाई ₹ 8 लाख बताई तो हैरान रह गए, मूसेवाला के गाने सुने

चंडीगढ़ के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका में भी ट्रक की सवारी की। राहुल ने ट्रक से वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क तक का 190 किलोमीटर का सफर किया। इसका वीडियो उन्होंने शेयर किया है। इस दौरान राहुल ने भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर तजिंद्र सिंह से उनकी इनकम पूछी। ड्राइवर ने अपनी इनकम बताई तो राहुल हैरान रह गए।

ड्राइवर से राहुल ने राजनीति से लेकर महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सफर के दौरान राहुल ने सिद्धू मूसेवाला का गाना भी सुना। ट्रक ड्राइवर ने राहुल से पूछा है कि क्या आप मूसेवाला का गाना सुनेंगे, वो कांग्रेस का कार्यकर्ता था, उसे इंसाफ नहीं मिला। इस पर राहुल ने कहा- हां बिल्कुल, उसका गाना लगाओ। मैं उसे काफी पसंद करता था। राहुल गांधी 30 मई से अमेरिका की यात्रा पर हैं।

राहुल बोले- अमेरिका के ट्रक ज्यादा आरामदायक वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान राहुल ट्रक ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे रहे। राहुल ने कहा- भारत के मुकाबले अमेरिका के ट्रक ज्यादा आरामदायक हैं। हिंदुस्तान में जो ट्रक हैं, उन्हें ड्राइवर के कंफर्ट से कोई मतलब नहीं है। वे ट्रक ड्राइवर के लिए नहीं बनाए गए हैं। तजिंद्र ने राहुल को बताया कि अमेरिका में ट्रक चलाना इज्जत का काम है।

» राहुल ने पूछा कितना कमा लेते हो...

ट्रक राइड के दौरान राहुल ने तजिंद्र से उनकी कमाई पूछी और जवाब सुनकर हैरान रह गए। तजिंद्र ने राहुल को बताया कि भारत के ट्रक ड्राइवरों के मुकाबले काफी कमा लेते हैं। तजिंद्र ने कहा- रेट के हिसाब से ड्राइवरी करें तो 5 से 6 लाख बन जाते हैं।

वहीं, अपना ट्रक हो तो महीने में 8 लाख रुपए तक की कमाई हो जाती है। ये जवाब सुनकर राहुल हैरान रह जाते हैं। इस पर तजिंद्र कहते हैं अमेरिका में ट्रक चलाकर अच्छा-खासा कमाया जा सकता है, जबकि भारत में ट्रक चलाने वाले ठीक से परिवार का पेट भी नहीं भर पाते हैं।

राहुल ने पूछा- भारत के ट्रक ड्राइवर्स को क्या मैसेज दोगे?

राहुल ने तजिंद्र से पूछा कि आप भारत के ट्रक ड्राइवर्स को क्या मैसेज देंगे। इस पर तजिंद्र ने कहा आप लोग बहुत मेहनत कर रहे हैं। आपके लिए शुभकामनाएं। राहुल ने आगे कहा- भारत में ट्रक चलाना दूसरी बात है, वहां ट्रक ड्राइवर का ट्रक नहीं होता, ट्रक दूसरे का होता है।

इस पर तेजिंद्र ने राहुल को बताया कि यहां पैसे किसी के पास नहीं हैं। डाउन पेमेंट देकर ट्रक ले लेते हैं, बैंक से लोन लेते हैं। भारत में लोन के लिए प्रॉपर्टी के पेपर की जरूरत होती है। गरीब के पास प्रॉपर्टी के पेपर नहीं होते हैं। इसलिए किसी का भी ट्रक चलाते रहते हैं।

» राहुल ने पिछले महीने चंडीगढ़ में भी ट्रक की सवारी की थी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मई में अंबाला से चंडीगढ़ का 50 किमी का सफर ट्रक से किया था। वो दिल्ली से शिमला के लिए कार से निकले थे। राहुल ने इस दौरान ट्रक ड्राइवरों से बात की और उनकी समस्याएं भी सुनी थीं।

डेटा सप्लाई चेन: 15 करोड़ छोटे किसानों की उपेक्षा नहीं की जा सकती!

यूरोपीय आयोग के अनुसार, वर्ष 2020 तक व्यक्तिगत डेटा का मूल्य (सिर्फ एक वर्ग डेटा का) 1 लाख करोड़ यूरो तक हो गया है जो कि यूरोपीय संघ के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 8 प्रतिशत है। कोविड के बाद तो डेटा विश्व अर्थव्यवस्था का केन्द्र ही बन रहा हैं। बहुत से लोग डेटा को रुपये से अधिक मूल्यवान मानते हैं। कोई आश्चर्य नहीं है कि तेजी से विकसित हो रहे डेटा के उपयोग को देखते हुए अधिक से अधिक कंपनियां अपने या किसी और संगठन के डेटा पर अधिकार स्थापित करके अधिक से अधिक धन कमाने के लिए नित्य नए तरीकों को खोज रही हैं।

यह नई अर्थव्यवस्था, भारत के 15 करोड छोटे किसानों और उनके परिवार वालों के लिए नया अवसर और चुनौतियां लेकर आया है। डेटा उपयोग से भारतीय किसानों को सही तरीके से बाजार, सूचना, वित्त और कृषि-लागत और सेवाओं के बेहतर संबंध के साथ ही साथ सही फसल उगाने में भी मदद कर रहा है। इसके विपरीत, यह 15 करोड़ छोटे किसानों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अवैतनिक डेटा मजदूर में भी बदल सकता हैं। ये कंपनिया फिर कसानों को ही दी जाने वाली सेवाआ और उत्पादों को बेचने के लिए अपने इसी डेटा की वजह से मूल्य वृद्धि कर लेंगी। साथ ही साथ संरक्षणवाद भी स्थानीय किसानों को वैश्विक ज्ञान और सेवाओं से बाहर कर सकती है। यह स्थिति एक स्वैच्छिक और न्यायोचित फार्म डेटा प्रमाणन मानक के विकास की मांग करती है जो किसान संबंधी डेटा के उत्पादन और व्यापार के सामाजिक और आर्थिक निरन्तरता के सिद्धांत पर आधारित हों।

न्यायोचित फार्म डेटा मानक की आवश्यकता

डेटा दुनिया में वैचारिक विमर्श का हिस्सा बनती जा रही है। कई मंचों पर एक वैचारिक ढांचा बनाने के उद्देश्य से ऐसे बयान दिए जाते हैं कि जैसे 'कच्चे माल के रूप में डेटा एक नया ईधन हैं जिन्हें एक जटिल प्रक्रिया के माध्यम से निकालने और परिष्कृत करने की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही राजनीतिक-तर्कसंगतता समाज को बड़ी कंपनियों के निष्कर्षण प्रयासों का प्राकृतिक लाभार्थी के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती हैं यह ठीक वैसे ही जैसे कभी 'उपनिवेशवाद' को एक ''सभ्यता परियोजना'' के रूप में पेश किया गया था! आज एक भारतीय किसान को अपने डेटा पर कोई नियंत्रण नहीं है, ठीक उसी तरह जैसे वे अपने द्वारा उत्पादित फसलों का नियंत्रण नहीं रखते और लाभ नहीं ले पाते हैं। यदि किसान बड़ी कंपनियों को भविष्य में अपना विस्तृत कृषि लेखा-जोखा प्रदान नहीं करते हैं तो वे उच्च-मूल्य आपूर्ति श्रृंखलाओं से बाहर होने का जोखिम उठाते हैं। भारतीय किसान आज अपने व्यक्तिगत डेटा के साथ-साथ खेती की जानकारीए जैसे कि फसल विवरण, खेती के तरीके, लागत उपयोग, कीट.विवरण खर्चे का लेखा-जोखा और उत्पाद संबंधी आँकड़ें विभिन्न व्यवसायों को मुफ्त प्रदान करते हैं। किसान, ''सेवा शर्ते'' और सहमति प्रपत्र जैसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हैं, जो उनकी समझ से बाहर होता है और जिनमें कंपनियों द्वारा अजीबो गरीब दावे बढ़ चढ़कर किए होते है, बाद में उनके डेटा का क्या होता है, इसके बारे में किसान कुछ भी नहीं जानते हैं। यह डेटा इन कंपनियों के लिए, बड़े पैमाने पर व्यावसायिक लाभ पहुंचाता है जो रसायनों को बढ़ावा देने और नई रासायनिक जरूरतों की पहचान करने में सक्षम सिद्ध होता है और इसलिए संबंधित अनुसंधान और विकास में संभावित निवेश को बढ़ाने में भी उपयोगी होता है। खाद्य कंपनियां भी खरीद लागत कम करने, कीमतें निर्धारित करने, जोखिम कम करने और दक्षता में सुधार करने के लिए किसानों के डेटा का उपयोग करती हैं।

यूरोपीय आयोग के अनुसार, वर्ष 2020 तक व्यक्तिगत डेटा का मूल्य (सिर्फ एक वर्ग डेटा का) 1 लाख करोड़ यूरो तक हो गया है जो कि यूरोपीय संघ के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 8 प्रतिशत है।

सुपर मार्केट किसानों के पर्यावरणीय डेटा का उपयोग यूरोपीय बाजारों में भारी कार्बन कर से बचने के लिए और अपने नैतिक उपभोक्ताओं को सामाजिक और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की अपील करने के लिए करता है। ऐसा करके यह बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्वयं को सामाजिक और पर्यावरण के प्रति जागरूक कंपनी के रूप में स्थापित करते हैं। इस बारे में उचित चिंताएं उठती है कि कृषि डेटा का मालिक कौन है और बड़े व्यवसायों द्वारा एकत्र किए गए डेटा का स्वामित्व किसके पास है, जो इसे अधिक मूल्यवान उत्पाद में बदल देता है। क्या उपग्रहों, ड्रोन, सेंसर और किसानों के मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा एकत्र किए गए डेटा गोपनीयता संबंधी सवाल खड़े करते हैं? बेशक सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि डेटा का आर्थिक मूल्य कैसे निर्धारित किया जाता है और इसका उचित हिस्सा किसानों तक कैसे पहुंचता है? भारत में ऐसी कोई प्रभावी स्वैच्छिक या अनिवार्य संरचना नहीं है जो यह सुनिश्चित करें कि छोटे किसानों के लिए डेटा अर्थव्यवस्था न्यायसंगत और समावेशी हो। इसलिए डेटा के उचित रख-रखाव और एक समावेशी डेटा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को बढ़ावा देने हेतु न्यायोचित फार्म डेटा के लिए एक स्वैच्छिक प्रमाणन मानक की आवश्यकता है। यह मानक कंपनियों के साथ-साथ अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा डेटा के संकलन, भंडारण और वितरण संबंधी नीतियों और विनियमों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

न्यायोचित फार्म डेटा मानक के संभावित सिद्धांत

अन्य स्वैच्छिक प्रमाणीकरण के तहत किसानों की सीमित सफलता को देखते हुए आलोचक स्वैच्छिक प्रमाणीकरण को एक उपयुक्त कार्यप्रणाली के रूप में चुनौती दे सकते हैं। इसके बजाय वे आजकल अधिकांश हितधारकों के बीच प्रचलित अनिवार्य कानूनी ढांचे की ओर इशारा करेंगे। हालांकि भारत और पूरे एशिया में ऐसे पर्याप्त उदाहरण हैं जो दिखाते हैं कि जब स्थानीय हितधारकों द्वारा स्वामित्व के साथ स्वैच्छिक मानकों का निर्माण और संचालन किया जाता है, तो वे सम्पूर्ण वृत्त-खण्ड को सुधारने और अनिवार्य मानकों को बढ़ाने में बहुत असरदार सिद्ध होते हैं। भारत का एक उत्कृष्ट उदाहरण बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) है जो कि 1986 से ही आईएसआई नामक स्वैच्छिक प्रमाणन योजना चला रही है। स्वैच्छिक मानक जो स्थानीय स्वामित्व से चलते हैं वे एक स्व-शासन का समावेशी मंच प्रदान करते हैं जो कि राज्य तंत्र के माध्यम से निगरानी करने से भिन्न होता है।

सार्थक होने के लिए ऐसे डेटा मानक को भारतीय कृषि हितधारकों का अगुआ होना होगा जो कि कृषि डेटा के उत्पादन और व्यापार में न्यायसंगतता को सुनिश्चित कर सके। न्यायोचित डाटा मानक सम्पूर्ण डेटा की मूल्य श्रृंखला में उचित प्रतिभागिता, उचित हिस्सेदारी और समान मताधिकार के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। किसान का प्रमाणित या सत्यापित डेटा एक डिजिटल सील के लिए योग्य हो सकता है जो इसे गैर-प्रमाणित डेटा से अलग करेंगे। ऐसी डिजिटल मुहरों को भारत की गुणवत्ता परिषद (क्वालिटी काउन्सिल ऑफ इंडिया-भारत में प्रमाणन के लिए राष्ट्रीय मान्यता निकाय) द्वारा विनियमित किया जा सकता है।

यदि डेटा साझा करने के लिए न्यायोचित फार्म डेटा सिद्धांतों और समानता को लागू किया जाता है तो कई महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। कृषि डेटा में उचित व्यापार छोटे किसानों को उचित दरों पर दूसरों द्वारा प्रदान किए गए आवश्यक डेटा तक समान पहुंच प्रदान करके उनकी सहायता करेगा। किसानों को यदि विश्वास हो कि सबके द्वारा प्रेषित डेटा का उचित एकत्रीकरण, रखरखाव और पारदर्शी डेटा प्रशासन सुनिश्चित कर रहा है और उनके ऑकड़ों का कोई दुरुपयोग नहीं हो रहा है तो किसान डेटा साझा करने के लिए और अधिक इच्छुक होंगे जो उन्हें भविष्य में और बेहतर सेवाएं दे सकता है।

दैनिक पंचांग

14 जून 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.24 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.37 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	09.54 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.05 बजे से
गुरु	मेष में	तुला	14.16 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.31 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.47 बजे से
राहु	मेष में	मकर	20.52 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	22.39 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	00.11 बजे से
		मेष	01.42 बजे से
		वृष	03.22 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 165 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 08.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 13.40 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 03.00 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 08.49 बजे तदनन्तर कौलव 20.38 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871644 **जूलियन दिन** 2460109.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** जिल्काद **तारीख** 25 **विशेष** योगिनी एकादशी, विश्व रक्तदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 14 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

मार्ग-दर्शन

झूठ बोलने का नतीजा बुरा ही होगा

काशी में उन दिनों सालाना महोत्सव चल रहा था। महोत्सव में आम जनता और ऋषि-मुनियों के अलावा देवलोक से देव पुत्र भी आए हुए थे। उन्होंने अत्यंत मनोहर सुगंध वाले फूलों के गजरे पहने हुए थे। राजा ने उनसे पूछा- 'महानुभाव! आप किस देवलोक से आए हैं?' देवपुत्रों ने जवाब दिया- 'त्रयस्त्रिश देवलोक से हम आए हैं।' राजा ने अगला प्रश्न किया- 'ये फूलों के गजरे आपने धारण किए हैं। क्या आप इन फूलों के नाम बता सकते हैं?' देवपुत्रों ने बताया'ये दिव्य कक्कारू फूल हैं, जो देवलोक में ही मिलते हैं।' राजा ने देवपुत्रों से उन्हें देने का आग्रह किया, तो वे बोले- 'ये फूल देवताओं के ही योग्य हैं अथवा वे लोग इन्हें रख सकते हैं, जो मूर्ख, दुश्चरित्र, कर्महीन, अधर्मी, प्रमादी न हों, जो धर्म से धन कमाते हों, जो अहंकारी न हों, जो सभी का कल्याण चाहते हों और जो गुरुजनों व संतों का आदर करने वाले हों।' राजपुरोहित के मन में यह लालसा जाग्रत हुई कि मैं झूठ बोलकर इन फूलों को ले लूं, तो जनता और राजा मुझे इन गुणों से युक्त मानकर मेरा आदर करेंगे। यह सोचकर उसने राजपुत्रों को स्वयं को इन गुणों से युक्त बताकर वे फूलों के गजरे ले लिए। देवपुत्रों के जाते ही राजपुरोहित के सिर में तेज दर्द उठा। उसने वे गजरे निकालने का यत्न किया, किंतु वे लौह-श्रृंखलाओं की तरह दृढ़ हो गए। अंततः उसने राजा के समक्ष अपना झूठ स्वीकार किया। राजा ने देवपुत्रों को फिर बुलाया और उनसे पुरोहित की जीवनरक्षा का आग्रह किया। तब देवपुत्रों ने उन गजरों से राजपुरोहित को मुक्त किया और जीवन में कभी झूठ न बोलने का वचन लिया। वस्तुतः झूठ बोलने से तात्कालिक लाभ भले ही मिले, किंतु अंततः प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचता है।

जीने की राह

हर समस्या पैसे से दूर नहीं होगी

कुछ लोग यह मानकर चलते हैं कि रुपए, पैसे से हर समस्या का समाधान होता है; पैसा फेंको और समाधान निकालो। लेकिन कुछ समस्याएं धन के दायरे से बाहर होती हैं। वहां व्यक्तिगत स्पर्श, भावनात्मक ध्यान और सही समय से ही काम चलेगा। पैसा मददगार हो सकेगा, पर पूरी तरह से समाधानकारी नहीं हो पाएगा। पैसे की अपनी ताकत होती है, लेकिन कुछ समस्याओं के समाधान में आपकी शक्ति से ज्यादा आपकी उपस्थिति काम आएगी। समस्याओं के कुछ देसी तरीके हैं, उन्हें भी आजमाना चाहिए। भारतीय संस्कृति ने जीवन को बड़ी सूझ-बूझ से चार हिस्सों में बांटा है। ब्रह्मचर्य, ग्रहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। कुछ धार्मिक लोगों ने इसे केवल आयु और पहनावे से जोड़ लिया और कुछ भौतिक रुचि वालों ने धन से इसका संबंध बना लिया। लेकिन ऋषि-मुनियों ने इन चारों जीवन स्थितियों को रुचि प्रधान कहा। जीवन के इन चार कालखंडों में रुचि पर ध्यान दिया जाए। ब्रह्मचर्य अवस्था का सीधा संबंध विद्यार्थी जीवन से है। यहां की समस्याओं का निदान रुचि से पकड़ा जाए, जबकि लोग धन से निकालने की कोशिश करते हैं। इस काल में पालकों के सान्निध्य से संस्कार द्वारा समस्याओं का समाधान सही होगा। केवल धन से इस दौर की समस्याओं का हल खोजना उल्टा असमय ही इनमें भोग-विलास भर देगा। इसलिए भारतीय संस्कृति के तरीकों से रुचि पर काम करिए, हर बार पैसा लेकर निदान ढूंढ़ने न निकलें। अगले सोमवार गृहस्थी में धन से ज्यादा रुचि से निदान पर भी चर्चा करेंगे।

नई लीडरशिप तय

एनसीपी चीफ शरद पवार ने आखिर पार्टी में दो नए कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा करके नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। शनिवार को पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के साथ महाराष्ट्र जैसे अहम राज्य का प्रभारी भी बनाया। कहने को प्रफुल्ल पटेल भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं, जो पवार परिवार के नहीं हैं। लेकिन यहां दो बातें गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि पटेल को गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है, जहां पार्टी की कोई मजबूत मौजूदगी नहीं है।

दूसरी बात यह कि सुप्रिया सुले को पार्टी की सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी की कमान भी दी गई है। कुल मिलाकर देखा जाए तो इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है कि शनिवार को लिए गए फैसलों के जरिए पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने सुप्रिया सुले को सबसे अहम भूमिका सौंपी है। इन्हीं फैसलों का दूसरा और उतना ही अहम पक्ष यह है कि पवार के भतीजे और हाल तक उनके उत्तराधिकारी के रूप में देखे जा रहे अजित पवार को कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी गई है। हालांकि महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का महत्वपूर्ण पद उनके पास पहले से है और पार्टी के महाराष्ट्र से जुड़े मामलों में सबसे मजबूत आवाज भी उन्हीं की मानी जाती है। लेकिन अब सुप्रिया सुले के महाराष्ट्र प्रभारी बनने के बाद इन मामलों में भी उन्हें सुले को ही रिपोर्ट करना पड़ेगा।

निश्चित रूप से यह उनके लिए कोई अच्छी स्थिति नहीं मानी जा सकती। पार्टी में जो नई हायरार्की बनी है, उसमें सुप्रिया सुले का दर्जा स्पष्ट रूप से अजित पवार से ऊपर हो गया है। इसके बावजूद अजित पवार ने किसी तरह के असंतोष या नाराजगी के संकेत नहीं दिए हैं, जिससे ऐसा लगता है कि कम से कम तत्काल उनकी तरफ से इस फैसले को कोई चुनौती नहीं दी जाने वाली। इससे महीने भर पहले चली उस कवायद की भी सार्थकता साबित होती है, जो शरद पवार के इस्तीफे की घोषणा के रूप में सामने आई और फिर नेताओं, कार्यकर्ताओं के दबाव में उसे वापस लेने के साथ समाप्त हुई थी।

उस कवायद ने पार्टी पर सीनियर पवार की पकड़ को फिर से इतना मजबूत बना दिया कि वह बगैर किसी आशंका के इन बड़े फैसलों की घोषणा कर सके। हालांकि इसका मतलब यह नहीं माना जा सकता कि पार्टी में अजित पवार कमजोर पड़ गए हैं। राज्य में आज भी संगठन पर उनका दबदबा कायम है। पार्टी का भविष्य और महाराष्ट्र में काफी हद तक विपक्ष का प्रदर्शन भी इस बात पर निर्भर करेगा कि सुप्रिया सुले को पार्टी ने जो भूमिका सौंपी है, उसे वह कितनी कुशलता से अंजाम दे पाती हैं और इस क्रम में अजित पवार से उनका कितना और कैसा तालमेल बन पाता है।

डायबिटीज से लड़ने के लिए क्या करे सरकार, जानें क्यों है टेंशन की बात

भारत ने 'दुनिया की डायबिटीज कैपिटल' होने का दुर्भाग्यपूर्ण खिताब हासिल किया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च(आईसीएमआर) ने हाल ही में एक स्टडी में बताया कि भारत डायबिटीज के मामलों की एक आश्चर्यजनक संख्या से जूझ रहा है। 10.1 करोड़ डायबिटीज रोगियों के अलावा 13.6 करोड़ लोगों में रोग डिवेलप होने का हाई रिस्क है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस 'महामारी' पर काबू पाने के लिए तत्काल इंतजाम करने की जरूरत है।

-द लांसेट जर्नल में छपी आईसीएमआर की एक स्टडी बताती है कि चार साल में डायबिटीज के मामलों की संख्या में 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह 2019 में 7 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 10.1 करोड़ तक पहुंच गई है।

-यह भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी स्टडी है, जिसमें 113,000 से अधिक व्यक्तियों के डेटा की जांच की गई। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से भी नमूने लिए गए।

-स्टडी में बताया गया है कि देश में 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक कैटिगरी में आते हैं।

-वहीं, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसे रोगों के मरीजों की संख्या में भी तेज बढ़ोतरी हुई है।

कहां कितने रोगी: भौगोलिक रूप से बात करें तो देश के कुछ क्षेत्रों में डायबिटीज का लेवल काफी हाई दिखाई दे रहा है। 26.4 फीसदी मरीजों के साथ गोवा सबसे अधिक डायबिटीज वाला राज्य बन गया है। इसके बाद पुडुचेरी की 26.3 और केरल की 25.5 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है। उत्तर प्रदेश में यह संख्या 4.8 फीसदी है, जहां डायबिटीज का सबसे कम प्रसार दर्ज किया गया। लेकिन इसी उत्तर प्रदेश में प्री-डायबिटीज के मामले राष्ट्रीय औसत 15.3 फीसदी की तुलना में 18 फीसदी हैं। मध्य प्रदेश, बिहार और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य जहां इसके कम रोगी हैं, वहां आगे चलकर इनके बढ़ने का खतरा है।

अवेयरनेस बढ़ाएं: स्वास्थ्य विशेषज्ञ रोग की रोकथाम के उपाय करने और अवेयरनेस बढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हैं। मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. रंजीत मोहन अंजना कहते हैं कि डायबिटीज और इसकी जटिलताओं के बारे में आम जनता को जागरूक करने और शिक्षित करने के लिए सरकार और निजी एजेंसियों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है।

-सबसे पहले सरकार को डायबिटीज और इससे जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए निजी एजेंसियों के साथ सहयोग करना चाहिए।

-दूसरा, विशेष रूप से ग्रामीण और सेमी-रूरल इलाकों में डायबिटीज सेवा केंद्रों का विस्तार होना चाहिए।

-तीसरा यह कि तहसील, जिला और राज्य डायबिटीज स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर सकती है।

-अंत में, सरकार को संस्थागत कार्यक्रम स्थापित करने और रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और विशेषज्ञता वाले डॉक्टरों को शामिल करना चाहिए।

बदले जीवन शैली: टाइप-2 डायबिटीज और अन्य एनसीडी की रोकथाम में शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन शैली अपनाना महत्वपूर्ण है। सिडनी यूनिवर्सिटी के हालिया शोध ने टाइप-2 डायबिटीज के विकास के जोखिम को कम करने के लिए मध्यम

कॉम्बिनेशन स्किन के लिये 5 बेहतरीन फेस पैक

खीरे और नींबू का फेस पैक-यह फेस पैक चेहरे की अंदर से सफाइ करता है। नींबू के रस को खीरे के रस के साथ मिक्स कर के कॉटल बॉल्स से चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट के बाद चेहरे को पानी से धो लें। आपका चेहरा टाइट हो जाएगा और चेहरे की खूबसूरती बढ जाएगी। आप इसे रोज लगा सकती हैं।

बेसन और हल्दी-1 चम्मच बेसन के साथ दूध या गुलाबजल मिलाएं। उसके बाद इसमें 1 चुटकी हल्दी पावडर डाल कर चेहरे पर 15 मिनट तक लगाए रखें। इससे आपका चेहरा टोन, गोरा और टाइट हो जएगा। इस पैक को बाहर से आने के बाद घर पर लगाएं जिससे आप इसे लगाने के बाद कहीं बाहर ना निकले। इससे सन टैनिंग हटती है।

एलो वेरा और चावल के आटे का पैक-यह फेस पैक ऑइली त्वचा के लिये भी है जिनके चेहरे पर वाइटहेड्स और ब्लैकहेड्स हो जाते हैं। 1 चम्मच एलोवेरा जैल में आधा चम्मच चावल का आटा मिक्स करें। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के बाद चेहरे से पैक को रगड कर छुडा लें। उसके बाद चेहरे को धो लें। इससे आपकी सकिन बिल्कुल साफ हो जाएगी।

ओटमील और दही-यह पैक उनके लिये है जिनकी सकिन ड्राई से नॉर्मल रहती है। जैसे चेहरे का कुछ हिस्सा रूखा और कुछ नॉर्मल रहता है। चेहरे की सन टैनिंग, गहरे दाग या झुर्रियां हैं तो यह पैक अच्छा है। 2 चम्मच ओटमील के साथ दही मिक्स करें और पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

पपीता और शहद-जिन लोगों के चेहरे पर मुंहासे के दाग धब्बे हैं, उनके लिये पपीते और शहद का फेस पैक अच्छा होता है। यह चेहरे को अंदर से साफकरता है तथा चेहरे की चमक बढाता है। इसे ड्राई सकिन वाले लोग भी लगा सकते हैं।

घर पर बनाएं आम का पन्ना जो गर्मी को कर दे छू मंतर

कितने- 1 बोतल
तैयारी में समय- 15 मिनट
बनाने में समय- 5 मिनट

सामग्री-

1 बडा या मध्यम आकार का कच्चा आम, 2-3 कुटी हुई इलायची या इलायची पावडर,4-5 छोटा चम्मच काला नमक ,शक्कर- जरुरत अनुसार

विधि -

सबसे पहले आम को अच्छी तरह से चलते हुए पानी के नीचे धो लें। उसके बाद आम को थोडे से पानी के साथ प्रेशर कुकर में 3-4 सीटी आने तक पका लें। इससे वह पूरी तरह से गल जाएगा। फिर उसे छील कर उसमें से गुठली और छिलके को निकाल कर किनारे रख दें। अब आम के गूदे में काला नमक, इलायची पावडर और चीनी मिला कर मिक्सी में डालें। पीसने के बाद इसे निकाल कर इसमें एक लीटर पानी मिलाइये और फिर इसे छान लीजिये। आम पन्ना तैयार है, इसमें बर्फ के क्यूब्स डाल कर ठंडा ठंडा सर्व कीजिये या फिर फ्रिज में रख कर आराम से पीजिये।

सिर की त्वचा में होने मुंहासों से तुरंत छुटकारा कैसे पायें

टी ट्री ऑइल- मुंहासों तथा सिर की त्वचा से संबंधित समस्याओं के लिए टी ट्री ऑइल एक उत्तम उपचार है। यहएकएंटीसेप्टिक और कीटाणुनाशक की तरह कार्य करता है तथा मुंहासें पैदा करने वाले कीटाणुओं को मारता है। ऑलिव ऑइल तथा टी ट्री ऑइल की समान मात्रा अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर लगायें।

ऐप्पल सीडर विनेगर-ऐप्पल सीडर विनेगर में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो सिर की त्वचा से मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया और तेल को साफ़करते हैं। विनेगर और पानी को समान मात्रा में मिलाकर मिश्रण बनायें तथा बालों को इस मिश्रण से खंगालें। 20 मिनिट बाद बालों को धो डालें।

हल्दी-सिर की त्वचा के मुंहासों के उपचार के लिए यह एक उत्तम घटक है। आपको सिर्फइतना करना है कि हल्दी पावडर तथा नारियल के तेल को 1:4 के अनुपात में मिलाएं। इसे संक्रमित भाग पर लगायें। बाद में गुनगुने पानी से धो डालें।

एलो विरा-हमने इसके कई फायदों के बारे में सुना है, परन्तु वास्तव में यह बहुत चमत्कारी है। आपको सिर्फइतना करना है कि एलोविरा जेल को सीधे मुंहासों पर लगायें तथा इसे सूखने दें। ऐसा दिन में दो बार करें। यह मुंहासों को बहुत ही कम समय में ठीक कर देता है।

नीम-इसे भारतीय लाइलैक (बकाइन) के नाम से भी जाना जाता है। मुंहासों के उपचार में यह काफी प्रभावी होता है। इसमें एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो मुंहासों को जल्दी सुखाने में सहायक होते हैं। नीम की कुछ पत्तियों को उबालें तथा उन्हें पीसकर पेस्ट बनायें। इसे मुंहासें पर लगायें। यह मुंहासे को जल्दी सुखाने में सहायक होता है।

टमाटर का रस-टमाटर में सैलिसिलिक एसिड होता है जो मुंहासों को दूर करने में सहायक होता है। सिर की त्वचा पर टमाटर का ताजा रस लगायें तथा 10 मिनिट बाद धो डालें। इसे त्वचा पर ज्यादा देर तक न लगा रहने दें।

शहद-शहद मुंहासें पैदा करने वाले बैक्टीरिया को रोकता है। आपको सिर्फइतना करना है कि थोडा सा शहद मुंहासे पर लगायें तथा 10 मिनिट बाद इसे गुनगुने पानी से धोडालें। इसे दिन में कम से कम एक बार अवश्य करें।

नेलआर्ट से निखारिए अपने नाखूनों की खूबसूरती

यूं तो नेलआर्ट की कई एडवांस्ड तकनीकें हैं जिनमें एयरब्रशिंग, स्टेंसिलिंग, पॉलीमार क्ले थ्री-डी इफेक्ट, फॉइलिंग प्रमुख है लेकिन इनमें विशेष उपकरणों का प्रयोग होता है। साथ ही प्रशिक्षण की आवश्यकता भी पडती है। मगर कुछ आसान तरीकों से आप इस नेलआर्ट की खूबसूरती को घर पर भी आजमा सकती हैं। आइए जानते हैं कुछ टिप्स-

पोल्का डॉट नेल्स-ये बहुत प्रचलित एवं सबसे आसान तरीका है। इसे बनाने के लिए नाखूनों पर पहले बेस कोट एप्लाई करें। फिर अपने मनचाहे नेलपेंट के 1-2 कोट लगाएं। इन्हें पूरी तरह सूखने दें। अब दूसरे नेलपेंट एवं महीन ब्रश की सहायता से नाखूनों पर छोटे-छोटे डॉट्स लगाएं। डॉट्स का साइज एवं संख्या बदल-बदलकर आप असंख्य पैटर्न क्रिएट कर सकती हैं । पिकनिक पर जाते समय ये पैटर्न ट्राय करें, सबको अवश्य पसंद आएगा ।ज्वेल्ड नेल्स-सबसे पहले नाखूनों पर बेसकोट लगाएं। इस पर मनचाहा नेलपेंट एप्लाई करें। अब ऑरेंज स्टिक को पानी से गीला करें व इस पर जो भी नग, कुंदन, डायमण्ड या बीड्स आप नाखूनों पर लगाना चाहती हैं, उस पर रखें ताकि नग इत्यादि उस पर चिपक जाएं। अब इसे नाखूनों पर रखें एवं हल्का प्रेस करें। इससे नग नेलपेंट पर चिपक जाएंगे। इसी तरह अन्य स्टोन्स, कुंदन इत्यादि नाखूनों पर लगाकर इन्हें ज्वेल्ड लुक दिया जा सकता है। ये सावधानी जरूर रखें कि आपका नेलपेंट सूखने से पहले ही उस पर स्टोन्स इत्यादि लगा दें ताकि ये ठीक से चिपक जाएं। अंत में टॉप कोट एप्लाई करें। ये लुक रात की पार्टी के लिए परफेक्ट है। डेजी फ्लॉवर नेल्स-नाखूनों पर बेस कोट एवं मनचाहा नेलपेंट एप्लाई करें। इसे सूखने दें। एक कलर पैलेट पर 1-1 ड्रॉप ऑरेंज, व्हाइट एवं ग्रीन एक्रेलिक पेंट की रखें। अब एक टूथपिक को ऑरेंज पेंट में डिप करें व इससे नाखूनों के बीच में एक डॉट लगाएं। ये फूल का सेंटर है। इसी तरह सभी नेल्स पर पहले फूल का सेंटर पार्ट बनाएं। फिर दूसरी टूथपिक को सफेद पेंट में डिप करके इसके आसपास डेजी फ्लॉवर की पत्तियों का लुक देते हुए डॉट्स लगाएं। अब महीन ब्रश एवं ग्रीन पेंट से स्टेम एवं पत्तियां बना लें। सुंदर डेजी फ्लॉवर नेल्स दिन के किसी फंक्शन में ट्राय करें, बहुत बढिया लगेंगे। स्ट्राइप्ड नेल्स-नाखूनों पर बेस कोट लगाएं। इस पर रेड नेलपेंट की कोटिंग करें। अब ब्लैक एक्रेलिक पेंट में महीन ब्रश डुबोकर इससे रेड नेलपेंट सूख जाने के बाद उस पर सीधी लाइनें बनाएं। इसी तरह सभी नेल्स पर एक ही तरह का पैटर्न बनाएं। आप चाहें तो अलग-अलग रंगों से जेब्रा प्रिंट पैटर्न भी बना सकती हैं लेकिन पहले अलग शीट पर प्रेक्टिस कर लें ताकि नाखून खराब न हों।

हेल्थ प्लस

खुद ही जांचें पोषण की कमी

यदि आप पाते हैं कि आप अक्सर ही बीमार पडते हैं तो इसका मतलब है कि आप पर्याप्त मात्रा में विटामिन और पोषक तत्व नहीं ले रहे हैं। इसके लिए आप सेल्फ टेस्ट कर सकते हैं। खुद की जांच के लिए चार प्रकार के टेस्ट किए जाते हैं जोकि प्रमुख पोषक तत्वों के ना मिलने की ओर संकेत देते हैं।

स्टर्नम थम्ब टेस्ट-यदि आप पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी ले रहे हैं तो यह टेस्ट उसके संकेत देता है। जब बात इम्यून सिस्टम को एक्टिवेट करने की आती है तो यह विटामिन आवश्यक भूमिका निभाता है। यह इम्यून सिस्टम की रक्षा करने वाले तंत्रों को अलर्ट रखता है। साथ ही यह विटामिन हड्डियों और मांसपेशियों को ताकत पहुंचाने में भी अहम माना जाता है। इसे जांचने के लिए आपका अंगूठा ही काफी है। अपने अंगूठे को ब्रेस्टबोन पर रखें, यह आपका स्टर्नम है। आ चाहें तो शिन्बोन या पिंडली की हड्डी क भी इसके विकल्प के रूप में दबाकर देख सकते हैं। यदि इन बोन्स को दबाने से व ह मुलायम महसूस हो या आपको दर्द महसूस हो तो इसका मतलब है कि आपको विटामिन डी की कमी है। वैसे 90 प्रतिशत विटामिन डी की पूर्ति सूर्य की रोशनी से होती है। बाकी आहार के जरिए इसकी कमी को पूरा किया जा सकता है।

बैलेंस टेस्ट-यदि आप पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 12 ले रहे हैं तो यह टेस्ट उसके संकेत देता है। इसका निम्न स्तर न केवल आपकी इम्यूनिटी के स्तर को दबाने का काम करता है, बल्कि ऊर्जा के स्तर को भी कम करता है। इससे व्यक्ति को तनाव या अवसाद महसूस होता है। विटामिन बी 12 की कमी से व्यक्ति के स्पष्ट रूप में सोचने की क्षमता पर भी प्रभाव पडता है। खडे हो जाएं। अपने दोनों पैरों को एक साथ जोडकर रखें और अपने हाथों को आपस में दोनों साइड में। इसके बाद अपनी आंखों को बंद रखें और अपने एक पैर को सामने की ओर ले जाएं और ऐसा तीन सेकंड तक रुककर करने की कोशिश करें। इस प्रक्रिया को किसी दीवार के सामने या अपने दोस्त के साथ करें, ताकि असंतुलन की स्थिति में आप संभल जाएं। यदि आपका संतुलन बिगडता है तो इसका मतलब है कि आपको विटामिन बी12 की कमी है। इसकी पूर्ति मछली, दही और चीज आदि से की जा सकती है। शाकाहारी इसकी पूर्ति सप्लीमेंट के जरिए कर सकते हैं।

माउथ सोर टेस्ट-यह पर्याप्त मात्रा में विटामिन 6 लेने के संकेत देता है। यह महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जोकि इम्यूनिटी को मजबूत बनाने का काम करता है। यदि पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 6 न लिया जाए, तो मतिभ्रम, डिप्रेशन, चिडचिडापन और मुंह या जीभ में सूजन की समस्या हो सकती है। इससे शरीर में सूजन की परेशानी हो सकती है। घर पर आईने में अपने चेहरे का परीक्षण करें। सबसे पहले मुंह के बाहरी हिस्से से शुरुआत करें। देखें यदि होंठ के किनारों पर क्रैक के लक्षण नजर आ रहे हों, फिर अपने मुंह को थोडा ज्यादा खोलें और सूजन की जांच करें। जीभ के निचले हिस्से को चेक करना न भूलें। यदि आपको कोई घाव या सूजन मुंह के अंदर या बाहर नजर आ रही हो तो इसका मतलब है कि आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी6 की प्राप्ति नहीं हो रही है।

स्किन टेस्ट-पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए की पूर्ति हो रही है या नहीं यह टेस्ट उसका संकेत देता है। यह महत्वपूर्ण विटामिन आपकी त्वचा, दांतों और हड्डियों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। इस टेस्ट के लिए आपको पूरे शरीर की जांच करने की जरूरत होती है। इसके लिए अपने शरीर के चारों ओर ड्राय स्पॉट देखने की कोशिश करें। रूखी, खुरदुरी और फटी हुई स्किन, कमजोर बाल, टूटते या निकलते नाखूनों की जांच करें।

अगर रहना है निरोग तो रोज सुबह पियें हल्दी वाला पानी

1. शरीर की सूजन घटाए-शरीर में चाहे जितनी भी सूजन क्यूं ना हो, इसे पीने से वह भी कम हो जाती है। इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है।

2. दिमाग की सुरक्षा करे-भूलने की बीमारी जैसे डिमेंशिया और अल्जाइमर को भी इसके नियमित सेवन से कम किया जा सकता है। हल्दी दिमाग के लिये काफी अच्छी होती है।

3. एंटी-कैंसर के गुणो से भरा-करक्यूमिन होने के नाते हल्दी एक ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट होती है। यह कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं से लडती है।

4. पेट ठीक रखे-रिसर्च के मुताबिक हल्दी रोजाना खाने से पित्त ज्यादा बनता है, जिसे खाना आराम से हजम होता है।

5. दिल की सुरक्षा करे-हल्दी वाला पानी पीने से खून नहीं जमता और खून की धमनियों में जमाव भी हट जाता है।

6. अर्थराइटिस के लक्षणों को मिटाए-करक्यूमिन की वजह से यह जोडों के दर्द और सूजन को दूर करने में दवाइयों से भी ज्यादा अच्छा काम करता है।

7. उम्र घटाए-हल्दी का पानी नियमित रूप से पीने पर फ्री रैडिकल्स से लडने में सहायता मिलती है जिससे शरीर पर उम्र का असर धीरे पडता है।

8. टाइप 2 डायबिटीज का खतरा टले-बायोकेमिस्ट्री और बायोफिजिकल रिसर्च की स्टडी के अनुसार हल्दी के नियमित सेवन से ग्लूकोज का लेवल कम हो सकता है और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा टल सकता है।

9. लिवर को बचाए-हल्दी का पानी जिगर की रक्षा टॉक्सिक चीजों से करता है और खराब हो चुके लिवर सेल्स को दुबारा ठीक करने में मदद करता है। यह पित्ताशय के काम को ठीक करने में मदद करता है।

रात को देर से खाएंगे तो होंगे ये रोग

हमने कई लोगों को देखा हे जो आधी रात को डिनर करते हैं। कायदानुसार, शाम 8 बजे के बाद डिनर करना अपने शरीर के साथ खिलवाड करना होता है। रात के समय भोजन करने से शरीर में एक्ट्रा फैट जमा हो जाता है, साथ भोजन को पचने का समय नहीं मिल पाता है और आप उससे पहले ही सो जाते हैं। जिन लोगों को मोटापे की समस्या होती है, उनके मोटापे का सबसे बडा कारण एक यह भी हो सकता है। देर रात को भोजन करने से एक विशेष प्रकार का डिस्ऑर्डर हो जाता है। इस मानसिक दोष में व्यक्ति को सदैव भोजन के बारे में अजीब सा ख्याल बना रहता है। वह सही प्रकार से सो नहीं पाता है और उसे सोते समय भी भोजन के बारे में ही सपने आते हैं। इस डिस्ऑर्डर में उसकी चिंता का ॥ बढ जाती है और मूड भी खराब रहता है। मेलाटोनिन का रेट कम और कार्सिटोन का रेट, शरीर में बढ जाता है। इसलिए बेहतर होता है कि हर कोई सोने से ठीक 3 घंटे पहले ही भोजन कर ले। देर रात में भोजन करना, न सिर्फ आपके दिमाग के लिए बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं होता है।

रात्रि के भोजन का समय बिलकुल ठीक होना चाहिए। अगर आप शाम 6 बजे ही खाना खा लेते है और आधी रात को सोते हैं तो लगभग 6 घंटे बाद

आपका पेट बिल्कुल खाली हो जाएगा, ऐसे में आप फिर कुछ खा लेगे और फिर से आपके शरीर की प्रक्रिया गडबढ हो जाएगी। कई बार ऐसा करने से नींद में भी खलल होता है। हां आप जूस जैसा कुछ ले सकते हैं। सोने से पहले कई लोग व्यायाम करने से बचते हैं ताकि वह बूस्टअप न हो जाएं और इससे उनकी नींद में खलल न आएं। अगर आप सही समय पर भोजन कर लेते हैं तो व्यायाम करने में कोई दिक्कत नहीं है। इससे आपका स्वस्थ्य अच्छा ही रहेगा। रात को हल्का और शाकाहारी भोजन सबसे अच्छा रहता है। अगर आप देर रात भोजन करते हैं तो कम से कम ब्रश करना कतई न भूलें। अपने शरीर के साथ खिलवाड न करें और स्वस्थ रहने का हर संभव प्रयास करें।

बच्चे और मां दोनों के लिए फायदेमंद है ब्रेस्टफीडिंग

विशेषज्ञ बच्चे को जन्म के तुरंत बाद स्तनपान कराने की सलाह देते हैं क्योंकि यह दूध बच्चों के लिए अमृत के समान माना जाता है। लेकिन जन्म के तुरंत बाद सही रूप में फीड नहीं करा पा रहे हैं तो इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं क्योंकि थोडे अभ्यास के बाद मां और बच्चा दोनो ही इसके अभ्यस्त हो जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेस्टफीडिंग सिर्फबच्चे के लिए ही नहीं मां के लिए भी उतना ही सेहतमंद होता है।

बच्चों के लिए सबसे बेहतर आहार ब्रेस्टमिल्क बच्चों के लिए पूर्ण आहार माना जाता है। इसमें 400 से भी अधिक पोषक तत्व और हॉर्मोन होते हैं, जो बीमारियों से लडने में बच्चे की मदद करते हैं।

फॉर्मूला दूध इतना गुणकारी नहीं होता है। मां का दूध बच्चों की वृद्धि के अनुसार स्वयं ही अपना स्वरूप बदलता रहता है। बच्चों को छह महीने तक सिर्फमां का दूध ही पिलाया जाए तो उनकी सेहत के लिए इससे बेहतर और कुछ भी नहीं हो सकता। यह बच्चों के कॉग्नेटिव डेवलपमेंट को बेहतर बनाता है, इससे उनकी मानसिक क्षमता बेहतर होती है। जो बच्चे के जन्म के बाद कुछ महीनों तक केवल मां का दूध ही पीते हैं, पहले एक साल तक उनके बीमार पडने की आशंका बहुत कम हो जाती है।

इन बीमारियों में फायदेमंद

आंतों से संबंधित बीमारियां,निमोनिया और ब्रोनकाइटिस,कानों का इन्फेक्शन,वयस्क होने पर इन परेशानियों से मुक्त रहते हैं। ब्रेस्टफीडिंग से बच्चे और मां के बीच स्पेशल बॉन्डिंग बनती है। और बडे होने पर यह पोषण उनके काम आता है। शोधों से इस बात का पता चलता है कि जिन लोगों को बचपन में मां के दूध का पोषण मिला होता है उनमें फॉर्मूला दूध पर बडे होने वालों की तुलना में इस प्रकार फायदेमंद होता है:ब्लड प्रेशर लो रहता है

कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम रहता है,मोटे होने की आशंका बहुत कम,इन बातों का रखें ध्यान फीडिंग कराने में 5 से 40 मिनट का समय लगता है। इसलिए फीड शुरू करने से पहले आरामदायक जगह पर बैठें। स्तनपान करने के शुरुआती दिनों में मां और बच्चे दोनों के लिए माहौल महत्वपूर्ण होता है। यदि आपके आस-पास काफी शोर हो तो ऐसी जगह तलाशें जहां शांति हो। बच्चे को इस तरह से पकडें कि आपकी पीठ और हाथों में दर्द न हो।

अपने आस-पास तकिया और कुशन लगाकर रखें ताकि आपको और बच्चे को सहारा मिल सके।मांओं के लिए भी है सेहतमंद ब्रेस्ट कैंसर का खतरा हो जाता है कम : स्तनपान कराने वाली मांओं को स्तन कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत तक कम हो जाता है। जितने अधिक समय तक बच्चों को स्तनपान कराएंगी, खतरा उतना कम होगा

यूटेराइन और ओवेरियन कैंसर की आशंका कम : स्तनपान कराने के दौरान एस्ट्रोजन का स्तर कम हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन का कम स्तर यूटेरस और ब्रेस्ट टिशूज को प्रेरित करते हैं, इससे टिशूज के कैंसर ग्रसित होने की आशंका कम हो जाती है।

ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है : स्तनपान नहीं कराने वाली महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा उन मांओं की तुलना में चार गुना अधिक बढ जाता है जो ऐसा नहीं कर रही हैं।

भावनात्मक सेहत बेहतर होती है : यह न केवल स्तनपान करा रही मांओं को शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ बनाता है। शोधों में यह बात साबित हुई है कि स्तनपान कराने वाली मांओं को पोस्टपार्टम डिप्रेशन और एंग्जाइटी कम होती है।

वजन होता है कम : गर्भावस्था के दौरान बढा वजन बच्चे के जन्म के बाद स्तनपान कराने वाली मांओं में एक महीने के बाद से ही कम होना शुरू हो जाता है।